

BEST EMERGENCY CARE IN TRAUMA, STROKE & HEAD INJURY

जानकी न्यू लाईफ

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

कीड़ा संकुल रोड, मरारटोली, गोंदिया - 441614

EMERGENCY

75 108 57 108

हैड इंजरी, कोमा, सरवर्ड, ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी के उपचार और सर्जरी, न्यूरोलॉजी, आर्थोपेडिक्स, न्यूरो फिथ, इंटरनल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, जॉइंट रिप्लेसमेंट, आईसीयू माइक्रो सर्जरी, यूरो सर्जरी, बेस्कुलर सर्जरी...एम.आर.आई, सीटी स्कैन, यूएसजी, एक्स रे, प्रभुति व स्त्री रोग वगैर...

डॉ. सनी सतीश

जायसवाल न्यूरो सर्जन

डॉ. सौ. पूनम सनी

जायसवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ

बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 01 अक्टूबर 2026

दिन - गुरुवार

वर्ष-14 वां

पृष्ठ - 12

अंक - 245

मूल्य - 5 रुपये

7Years

IN HEALTH, CARE & HEALING

SAHAYOG HOSPITAL

निःशुल्क एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी शिविर

वैधता 31 अगस्त 2026 तक

अभ्युपन भरा योजना (PMJAY) एवं PMJAY के अंतर्गत निशुल्क एंजियोप्लास्टी की सुविधा उपलब्ध

91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

● बालाघाट

● वारासिवनी

● कटंगी

● बैहट

● लांजी

● परसवाड़ा

● सिवनी

● बरघाट

● छपरा

● केवलारी

● गोंदिया - भंडारा

● आमगांव

● गोरेगांव

● सालेकसा

● देवरी

● तिरोंड़ा

...और दिखाओ...और दिखाओ

और दिखाओ...और दिखाओ...!!!

...खुबसूरत साड़ियों के लिए ती सिर्फ...यहींच...संभव

बरकरार रखीं

मो. 9325481081

9423113147

चुनने का मजा...

ध्वज

खास साड़ीयों का खास संग्रह

नेपाल, गोंदिया

चुनाव आयोग के खिलाफ बैठक में इंडिया गठबंधन ने किया बड़े आंदोलन का ऐलान..

2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर जिला स्तर पर इंडिया गठबंधन का मार्च और प्रदर्शन

6 अक्टूबर को विपक्षी सांसदों का दिल्ली में चुनाव आयोग दफ्तर तक मार्च इंडिया गठबंधन पांच बड़ी रैलियां, 1 नवंबर को दिल्ली में बड़ी रैली

नई दिल्ली।

चुनाव आयोग और उससे जुड़ी प्रक्रियाओं के मुद्दे पर आखिरकार विपक्षी गठबंधन के नेता आज एक मंच पर इकट्ठा हुए। राजधानी दिल्ली में इंडिया गठबंधन की अहम बैठक हुई। इस बैठक में विपक्षी दलों ने संयुक्त रूप से आंदोलन करने फैसला लिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बताया कि 2 से 8 अक्टूबर तक इंडिया गठबंधन की ओर से जिला स्तर पर डीएम के दफ्तर पर प्रदर्शन

किया जाएगा और 'सेव डेमोक्रेसी' मार्च निकाले जाएंगे। 6 अक्टूबर को सभी विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। इसके अलावा विपक्षी नेता अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात का समय मांगेंगे। इस मुलाकात के दौरान वे राष्ट्रपति को बताएंगे कैसे मौजूदा सरकार संस्थाओं पर कब्जे का प्रयास कर रही है। वहीं इंडिया गठबंधन ने पांच बड़ी रैलियां आयोजित करने का भी फैसला किया है, जिनमें 1 नवंबर को दिल्ली में बड़ी रैली प्रस्तावित है। बाकी रैलियों के स्थान के बारे में बाद में फैसला लिया जाएगा।

वया चुनाव आयोग कठपुतली बनकर रह गया है?

बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में खरगे ने इंडिया गठबंधन आगे के प्लान के बारे में बताया साथ ही उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने मिलकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए आंदोलन का फैसला

किया है। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठाए जा रहे सवालों और 'वोट चोरी' के आरोपों को आंदोलन के प्रमुख मुद्दों में शामिल किया। बैठक में इस बात पर जोर दिया कि 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन' (ईवीएम) की जगह मतपत्र के जरिए चुनाव कराए जाएं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सभी नेताओं ने मिलकर लड़ाई लड़ने की बात की है। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चुनाव आयोग का 'कठपुतली' की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं।

अगले कुछ महीने में देश में बड़ा बदलाव

वहीं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'मैं सभी ओपोज़िशन लीडर्स को बताना चाहता हूँ कि वे इंडियन कॉन्स्टिट्यूशन के कलेक्टिव डिफेंडर हैं, और साथ मिलकर काम करना हमारे लिए सम्मान की बात है। हमें भरोसा है कि अगले कुछ महीनों में, हम देश में बड़े बदलाव लाएंगे।' राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी नेताओं ने यह तय किया है कि लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक और लोकतांत्रिक तरीके से लड़ाई जारी रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र किसी एक व्यक्ति से बड़ा है। राहुल ने यह भी कहा कि विपक्ष की ओर से चुनावों में 'वोट चोरी' का मुद्दा जनता के सामने रखा गया है और इसे लेकर युवाओं में भी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

ममता बनर्जी ने ज्ञानेश कुमार कुमार पर लगाए गंभीर आरोप, मांगा इस्तीफा

वहीं तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग और चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए। ममता ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि वोटिंग का अधिकार लोगों का संवैधानिक अधिकारी है और इसकी रक्षा करना विपक्ष की जिम्मेदारी है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में 92 लाख वोटों की कथित हेराफेरी हुई और पूरे देश में यह आंकड़ा 13 करोड़ से अधिक होने का दावा किया।

उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में कथित सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल और श्रद्धरू से जुड़े आरोप भी लगाए। हालांकि ये आरोप विपक्ष के दावे हैं; चुनाव आयोग ने चुनावी प्रक्रिया को लेकर अपने आदेशों को कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप बताया है। ममता ने कहा कि अगर उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और व्यापक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के घोषित कार्यक्रमों में उनकी पार्टी भी शामिल होगी। ममता ने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए मिलकर संघर्ष करने की बात कही। हालांकि इंडिया गठबंधन की इस बैठक में आम आदमी पार्टी शामिल नहीं हुईं वहीं खुद अखिलेश यादव भी इस बैठक से दूर रहे।

थानों में सीसीटीवी प्रणाली 24 घंटे चालू रहनी चाहिए : इलाहाबाद उच्च न्यायालय

प्रयागराज, (भाषा)।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि पुलिस थानों में सीसीटीवी प्रणाली साल के सभी 365 दिन चौबीसों घंटे चालू रहनी चाहिए और जब यह निगरानी व्यवस्था काम न कर रही हो तो पुलिस को कुछ सुरक्षा उपाय अपनाने चाहिए। उसने कहा कि यदि सीसीटीवी प्रणाली

काम नहीं कर रही है तो ऐसी स्थिति में पूछताछ के लिए लाए गए या गिरफ्तार किए गए सभी व्यक्तियों का विवरण तत्काल 'जनरल डायरी' (जीडी) में दर्ज किया जाना चाहिए। अदालत ने कहा, 'इस मामले के तथ्य प्रथम दृष्टया स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि पुलिसकर्मियों ने शिकायतकर्ता की ओर से वसूली एजेंट की तरह काम किया।' न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की पीठ ने रायचंद्र दुबे और एक अन्य व्यक्ति की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। पीठ ने केवल पुलिसकर्मियों

को गवाह बनाकर तैयार किए गए 'कई खामियों वाले' गिरफ्तारी ज्ञापन के कारण याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी रद्द करते हुए उसे रिहा करने और 24 घंटे की अवैध हिरासत के लिए 10,000 रुपये मुआवजा दिए जाने का आदेश दिया।

अदालत ने निर्देश दिया कि यदि सीसीटीवी प्रणाली विफल होती है तो थाना प्रभारी को जीडी में उसके खराब होने का सटीक समय दर्ज करना होगा और उस अधिकारी का नाम भी लिखना होगा जिसे इसकी जानकारी लिखित रूप में दी गई और जिले के पुलिस अधीक्षक को भी इसकी सूचना देनी होगी ताकि प्रणाली को यथाशीघ्र ठीक करवाया जा सके और मरम्मत के लिए उठाए गए कदमों का रिकॉर्ड रखा जा सके। अदालत ने कहा, 'इस मामले का एक और चिंताजनक पहलू, जिस पर इस अदालत को ध्यान देना चाहिए, वह यह है कि बार-बार ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जिनमें पुलिस थाने के परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों से छेड़छाड़ करने की कोशिश की जाती है।' पीठ ने कहा कि सीसीटीवी के काम न करने की अवधि में प्रत्येक संदिग्ध के थाने में आने और जाने का समय तथा उससे की गई पूछताछ का विवरण जीडी में दर्ज किया जाना चाहिए। रिहाई के समय

संबंधित व्यक्ति या उसके निकट संबंधी से हस्ताक्षरयुक्त रसीद भी ली जानी चाहिए। अदालत ने 23 सितंबर को दिए अपने आदेश में निर्देश दिया कि पुलिस थानों के भीतर लगी सीसीटीवी प्रणालियां साल के 365 दिन चौबीसों घंटे चालू रहनी चाहिए। याचिकाकर्ता के मुताबिक, रेत खनन समझौते के विवाद की वजह से उसे आसनसोल से अवैध रूप से हिरासत में लेकर चित्रकूट में सरधुवा थाने लाया गया। राज्य सरकार के वकील ने दलील दी कि याचिकाकर्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद गैर-जमानती वारंट जारी होने पर उसे गिरफ्तार किया गया था। सीसीटीवी पुष्टि से पता चला कि याचिकाकर्ता ने 13 जुलाई 2026 को सुबह नौ बजे थाने में प्रवेश किया और वह पूर्वाह्न 10 बजकर 19 मिनट पर जांच अधिकारी के साथ शिकायतकर्ता के वाहन में वहां से निकला तथा रात आठ बजकर 24 मिनट पर वापस लौटा। हालांकि गिरफ्तारी ज्ञापन में उसकी गिरफ्तारी अपराह्न साढ़े तीन बजे दिखाई गई और जीडी में उसका हवालात में प्रवेश शाम छह बजकर 41 मिनट पर दर्ज किया गया। थाने के भीतर लगे तीन कैमरों की सीसीटीवी पुष्टि या तो उपलब्ध नहीं थी या उसे मिटा दिया गया था।

राहुल गांधी आज बालाघाट में, विशेष विमान से पहुंचेंगे गोंदिया जिले के बिरसी विमानतल..

कुपोषण व बिमारियों से मृत आदिवासी बच्चों के परिवारों से मिलने पहुंचेंगे बैगा आदिवासी ग्राम जगला..

सीआरपीएफ और मध्यप्रदेश पुलिस को लगाया गया सुरक्षा व्यवस्था में..

जगप्रेरणा बालाघाट। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता सांसद राहुल गांधी आज 01 अक्टूबर को विशेष विमान से बालाघाट जिले के आदिवासी ग्राम जगला में कुपोषण, खसरा एवं मलेरिया की बिमारी से मृत आदिवासी बच्चों के परिवारों से मिलने के लिये आ रहे हैं। राहुल गांधी के दौरा

कार्यक्रम के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल गांधी आज 01 अक्टूबर को सुबह 10 बजे विशेष विमान से नई दिल्ली से रवाना होंगे, तथा इसके दोपहर 11.45 बजे बिरसी विमानतल पर पहुंचेंगे। दोपहर 12 बजे

बिरसी विमानतल से कार द्वारा काफिले के साथ राहुल गांधी बैहट विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी बहुल ग्राम जगला पहुंचेंगे, जहां पर आदिवासी बहुल क्षेत्रों में बिमारी से मृत आदिवासी बच्चों के परिवारों से मुलाकात करेंगे। एक घंटे इस क्षेत्र में आदिवासीयों से चर्चा के उपरांत चर्चा करने के साथ ही राहुल गांधी मीडिया से भी मिलेंगे, तथा इसके उपरांत वापस रवाना होकर शाम 05 बजे बिरसी विमानतल पहुंचेंगे, और विशेष विमान से नई दिल्ली के लिये रवाना होंगे।

गौरतलब है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आगमन से पूर्व राति में 09 बजे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतु पटवारी का भी बालाघाट आगमन हो गया। जीतु पटवारी ने राहुल गांधी के आगमन से पूर्व जिले के कांग्रेस नेताओं से मुलाकात एवं चर्चाएं कर राहुल गांधी के दौरा कार्यक्रम के संदर्भ में मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतु पटवारी सुबह 10 बजे बालाघाट से गोंदिया जिले के बिरसी विमानतल पहुंचेंगे, तथा उसके उपरांत कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ आदिवासी ग्राम जगला पहुंचकर आदिवासी परिवारों से मुलाकात करेंगे।

बिरसी विमानतल पर जुटेंगे बालाघाट एवं गोंदिया जिले के कांग्रेस नेता..

नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बिरसी विमानतल पर आगमन के दौरान उनके स्वागत के लिये गोंदिया एवं बालाघाट जिले के अनेक कांग्रेस

नेता बिरसी विमानतल पहुंचेंगे। बालाघाट जिला कांग्रेस से प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल गांधी के बिरसी आगमन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतु पटवारी, मुकेश नायक, पूर्व विधायक हिना कावरे, जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उईके, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार, विधायक मधु भगत, विधायक अनुभा मुंजारे बिरसी विमानतल पहुंचेंगे, इसी प्रकार गोंदिया जिले से पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, सांसद डॉ. प्रशांत पडोले, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अमर बराड़े, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चौधरी, गोंदिया नगर परिषद के अध्यक्ष सचिन शेंडे सहित अनेक कांग्रेस नेता बिरसी विमानतल पहुंचेंगे।

बिरसी विमानतल परिसर में ड्रोन कैमरे के इस्तेमाल पर प्रतिबंध..

राहुल गांधी का 1 अक्टूबर 2026 को गोंदिया दौरा प्रस्तावित है। इस पृष्ठभूमि में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बिरसी विमानतल तथा उसके आसपास 5 किलोमीटर के दायरे में ड्रोन कैमरे के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिलाधिकारी मंदार पत्की ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्राप्त अधिकारों का उपयोग करते हुए यह प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार 1 अक्टूबर 2026 को बिरसी विमानतल और उसके आसपास 5 किलोमीटर के दायरे में ड्रोन कैमरे के माध्यम से फोटोग्राफी अथवा किसी अन्य उद्देश्य के लिए ड्रोन का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। जिलाधिकारी ने संबंधित ड्रोन चालक एवं मालिक, संस्थाओं, आयोजकों तथा नागरिकों से इस आदेश का सख्ती से पालन करने की अपील की है। सुरक्षा की दृष्टि से संबंधित सभी लोगों को यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं कि प्रतिबंधित क्षेत्र में ड्रोन का इस्तेमाल न हो। जिलाधिकारी मंदार पत्की ने प्रतिबंधात्मक आदेश का उद्देश्य करने वाले ड्रोन चालक अथवा मालिक, संस्था, आयोजक तथा संबंधित नागरिकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राहुल गांधी जी का स्वागत है, लेकिन बालाघाट की बदली हुई तस्वीर भी देखें : निशांत बिसेन

जगप्रेरणा बालाघाट। मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एवं मीडिया पैनलिस्ट तथा बालाघाट के युवा नेता निशांत बिसेन ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बालाघाट आगमन पर बड़ी बात कह दी, तथा उनके बालाघाट आगमन पर सवाल खड़े ना करते हुए निशांत बिसेन ने राजनीति में विपक्ष के नेता के सामने सरकार के प्रयासों की ऐसी तस्वीर प्रस्तुत करने का प्रयास किया है,

जिसके बाद माना जा सकता है कि ना सिर्फ राहुल गांधी और उनके समर्थक अनेक कांग्रेस नेता निरुत्तर हो सकते हैं, बल्कि निशांत बिसेन के कथन और उनके कटाक्ष के अंदाज ने राजनीति में वार प्रतिवार के नए अंदाज को भी प्रस्तुत किया है, जिससे राजनीति की समझ रखने वाले आम नागरिक भी निशांत बिसेन के प्रशंसक हो सकते हैं।

बोले निशांत बिसेन..

निशांत बिसेन ने अपने बयान में कहा कि राहुल गांधी जी मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में आ रहे हैं, उनका स्वागत है। लेकिन उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि कांग्रेस के शासनकाल में बालाघाट और आसपास के आदिवासी अंचलों में नक्सलवाद ने किस तरह भय का वातावरण

लिया और तत्काल काम शुरू किया।

निशांत बिसेन ने कहा कि 688 बच्चे भर्ती हुए, जिनमें से 662 बच्चे डिस्चार्ज हो चुके हैं और 26 बच्चे अभी भर्ती हैं तथा स्थिर हैं। मीजल्स के कैच-अप राउंड में 30 हजार बच्चों का टीकाकरण किया गया है। 57 गांवों में घर-घर स्वास्थ्य परीक्षण चल रहा है। 18 मेडिकल ऑफिसर और 12 एंबुलेंस इस कार्य में लगी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर 100 नक्सल प्रभावित गांवों के

बहुआयामी विकास के लिए 404 करोड़ रुपये के विकास कार्य किए जाएंगे। 14 स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत किए गए हैं। सुगुग्ग में 20 बिस्तरों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत हुआ है। इसके साथ ही 4 नए ब्लॉक स्तर के अधिकारी तथा 52 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

निशांत बिसेन ने आगे कहा कि राहुल गांधी जी आएँ, उनका स्वागत है, लेकिन राजनीतिक परंपरे के बजाय बालाघाट की बदली हुई जमीनी तस्वीर को भी देखें। बिसेन ने कहा कि नक्सलवाद का दंश कांग्रेस के समय मिला, उसे समाप्त भाजपा सरकार ने किया। जिस क्षेत्र में कभी डर का माहौल था, वहां आज विकास और प्रशासन की पहुंच है। राहुल गांधी जी को कम से कम इस बदलाव को स्वीकार करना चाहिए और नक्सलवाद समाप्त करने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना करनी चाहिए।

+ CMYK

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शान्ति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुंवर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
ज्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर,
शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा

live शहर बालाघाट

● गर्ग ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोगलाई

मान्यता

ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियां सुधारी जाती है।

HERO **BAJAJ** **HONDA** **TVS** **मनीष वर्मा**
मो. 9425448126

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

रामपायली की दीपिका अग्रवाल हत्याकांड में सिरफिरे को आजीवन कारावास की सजा..

मंदिर से लौटते समय पति की मौजूदगी में चाकू से किया था दनादन वार..

कैलाश कसार, जगप्रेरणा वारासिवनी।

बालाघाट जिले के वारासिवनी तहसील अंतर्गत ग्राम रामपायली में मंदिर दर्शन कर पति के साथ स्कूटर से लौट रही महिला दीपिका अग्रवाल पर सिरफिरे आशिक ने चाकू से दनादन हमला कर हत्या की वारदात को अंजाम दिया था, इस मामले में न्यायालय ने आरोपी रामराव डुबे को दोषसिद्ध करते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर 3 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है।

प्रकरण की सुनवाई प्रथम अपर सत्र न्यायालय के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश कविता इनवाती के न्यायालय में सत्र प्रकरण क्रमांक 30/2024, शासन विरुद्ध रमाराम घुले के रूप में हुई। अभियोजन की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक आर.के. दुबे ने पैरवी की। अभियोजन के अनुसार 7 दिसंबर 2023 को दीपिका अग्रवाल अपने पति अश्वय अग्रवाल के साथ रामपायली स्थित श्रीराम मंदिर में दर्शन करने गई थी। रात करीब 8:30 बजे दोनों स्कूटर से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान मदनलाल मेमोरियल स्कूल के सामने कुमारी बोथले के पास आरोपी ने उनके स्कूटर को टकरा मार दी। इससे वाहन डामगा गया। पति वाहन संभाल रहे



थे, तभी दीपिका नीचे गिर गई। अभियोजन के मुताबिक इसके बाद आरोपी ने धारदार चाकू से दीपिका पर लगातार वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। संजय चौहान, प्रभात अग्रवाल और गोपाल अग्रवाल सहित अन्य लोगों की मदद से उसे रामपायली अस्पताल ले जाया गया। बाद में वारासिवनी अस्पताल लाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना में उसके पति को भी चोट आई थी। मामले में रामपायली पुलिस ने अपराध क्रमांक 365/23 दर्ज कर आरोपी के खिलाफ धारा 302, 201,

323 और 506 के तहत कार्रवाई की थी। गिरफ्तारी पत्रक के अनुसार आरोपी को 8 दिसंबर 2023 को शाम 4:15 बजे रामपायली से गिरफ्तार किया गया था। अभियोजन ने न्यायालय में गवाहों और अन्य साक्ष्यों को प्रस्तुत किया। अतिरिक्त लोक अभियोजक आर.के. दुबे के अनुसार न्यायालय ने अभियोजन के साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को धारा 302 और 323 के तहत दोषसिद्ध किया। धारा 302 के तहत आजीवन कारावास तथा 3 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया गया है।

गांधी शास्त्री जयंती पर सहमत संस्था द्वारा नगर पालिका सभागार में साहित्य गोष्ठी का आयोजन..

जगप्रेरणा बालाघाट।
हिंदी साहित्य पखवाड़े के समापन अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को नगर पालिका सभागार में साहित्य गोष्ठी का आयोजन किया



इस दौरान सहमत संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था द्वारा साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने तथा आम लोगों को साहित्य से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी उद्देश्य से हिंदी साहित्य पखवाड़े के समापन पर साहित्य गोष्ठी आयोजित की जा रही है। पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य साहित्य के क्षेत्र में नई प्रतिभाओं को सामने लाना और साहित्य को अधिक से अधिक

लोगों तक पहुंचाना है। संस्था के प्रयासों से बड़ी संख्या में लोग साहित्यिक गतिविधियों से जुड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में प्रत्येक रविवार को सहमत संस्था कार्यालय में साहित्य परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा। यह परिचर्चा दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। इसके साथ ही मातृशक्ति के लिए भी विशेष साहित्यिक परिचर्चा आयोजित करने की योजना है, ताकि महिलाओं को साहित्यिक गतिविधियों से जोड़कर उनकी प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जा सके। पत्रकार वार्ता के दौरान सहमत संस्था के संरक्षक रमेश रंगलानी, अध्यक्ष राजेंद्र शुक्ला, अशोक सागर मिश्रा, सुभाष गुप्ता, मोहन आचार्य, दीपक जैन बिड़ू, कौशल सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

कानपुर की नेशनल कुबोडो चैंपियनशिप में उतरेंगे बालाघाट के विनीता, रिया, उमंग और वेद, करेंगे प्रदेश का प्रतिनिधित्व

जगप्रेरणा बालाघाट।
कानपुर में 3 और 4 अक्टूबर को आयोजित होने वाली चौथी नेशनल कुबोडो मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में बालाघाट जिले के चार खिलाड़ी मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन छत्रपति शिवाजी महाराज यूनिवर्सिटी, कानपुर में किया जा रहा है, जिसमें देशभर से सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।



जा रहा है। खिलाड़ियों के चयन और प्रतियोगिता में सहभागिता को लेकर खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला खेल अधिकारी राहुल बारैसा, जिला प्रशिक्षण केंद्र मुलना स्टेडियम के प्रशिक्षक एवं ब्लॉक युवा समन्वयक संतोष पारधी सहित जिला थागत एसोसिएशन एवं कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने

खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर संस्था के जिला अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, सह सचिव चंद्रकांत पिपलेवार, कोषाध्यक्ष सरिता केवल सोनकर सहित सदस्य एवं खेल विभाग के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

आदिवासी ग्राम बोदारी पहुंचकर बैगा आदिवासी परिवारों को रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट टाइगरस ने भेंट की स्वच्छ पेयजल सामग्री.. दिये 125 वाटर कैम्पर..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले के दक्षिण बैहर के ग्राम बोदारी, ग्राम पंचायत अडोरी, तहसील बिरसा ग्राम में बैगा आदिवासी परिवारों को संक्रामक बीमारी के कारण असमय अब तक 35 बच्चों की मृत्यु हो चुकी है। स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं आदिवासी गांवों में लगातार दी

जा रही हैं। इसी क्रम में रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट टाइगरस द्वारा ग्राम बोदारी में जाकर 125 परिवारों में स्वच्छ पेयजल कैसे रखना चाहिए एवं उसको पीना कैसे चाहिए, इसकी पूरी जानकारी बैगा परिवारों को दी गई, एवं 125 वाटर कैम्पर (20 लीटर), एक पानी छानने की छत्री, एक पानी पीने का मग एवं एक स्टील ग्लास सभी 125 परिवारों को ग्राम सभा मंच में वितरण किया गया।

रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट टाइगरस के द्वारा स्वास्थ्यका भी कार्यक्रम रखा गया था, जिसे गांव के समस्त बैगा परिवार एवं रोटरी परिवार के सदस्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम प्रभारी असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन देवेन्द्र सिंह चन्देल ने बताया कि हमारे गवर्नर 3261 के रोटेरियन आलम सिंह रूपरा एवं डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी गवर्नर 3261 रोटेरियन अजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में, इस वर्ष के अध्यक्ष रोटेरियन लोकमन



कौशल, सचिव रोटेरियन मुकेश ठाकुर एवं कोषाध्यक्ष रोटेरियन आकाश ठाकुर के निर्देशन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें अध्यक्ष एवं पूरी टीम द्वारा निर्णय लिया गया है कि संक्रमित प्रभावित बैगा आदिवासी गांव में 500 परिवारों को स्वच्छ पेयजल सामग्री वाटर कैम्पर एवं अन्य सामग्री जल्दी ही वितरण की जायेगी। रोटरी क्लब बालाघाट टाइगरस के अध्यक्ष द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनिकेत शांडिल्य (बैहर), बिरसा पंचायत सी.ई.ओ. नितिन भट्ट एवं पी.एच.ई. बैहर ए.ई. सत्यम पटेल एवं ग्राम पंचायत अडोरी के सरपंच परसराम

धुर्वें, बोदारी ग्राम सचिव यशवंत मेश्राम एवं पंच धीरन सिंह मरकाम, अंकुवर मरकाम एवं श्रीमती बुद्धन कुंवर मरकाम एवं सभी ग्रामवासी को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट टाइगरस के मेम्बर रोटेरियन अजय गुप्ता, तपेश असादी, आशीष मिश्रा, मोहित सचदेव, विशाल मंगलानी, संजय बेगड़, विक्की जीवानी, संजय अग्रवाल, प्रीतेश जैन, मनीष अग्रवाल, विजय अग्रवाल, पवन चंदानी, अंकित वाधवनी, भरत घुटानी, अंकित अग्रवाल, अभिषेक पांडे, आदित्य पंडित, इकबाल मंसूरी आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम बना वरदान, जिले के 04 बच्चों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

जगप्रेरणा बालाघाट।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत कटे होठ एवं फटे तालू से पीड़ित जिले के चार बच्चों की जबलपुर में निःशुल्क सर्जरी कराई गई। उपचार के बाद सभी बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं और अपने घर लौट चुके हैं। शासन की योजना से बच्चों और उनके परिजनो को बड़ी राहत मिली है।



कलेक्टर कुमार सत्यम के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न दाहिया के मार्गदर्शन में चार बच्चों को उपचार के लिए 13 सितंबर को जबलपुर रेफर किया गया था। कटे होठ एवं फटे तालू की समस्या से पीड़ित इन बच्चों के उपचार को लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम पहले भी प्रयास कर चुकी थी, लेकिन बच्चे और उनके परिजन बड़े शहर में इलाज कराने को लेकर आशंकित थे। महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयासों से बच्चों एवं उनके परिजनों को समझाइश देकर जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र, जिला चिकित्सालय बालाघाट लाया गया। यहां से जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक राजाराम चक्रवर्ती के समन्वय से सभी चार बच्चों को जबलपुर

के स्माइल ट्रेन फंडेशन से मान्यता प्राप्त दुबे सर्जिकल एंड डेंटल हॉस्पिटल भेजा गया, जहां उनकी निःशुल्क सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। सर्जरी कराने वाले बच्चों में ग्राम मुकुटा, विकासखंड बिरसा निवासी 3 वर्षीय सुरेंद्र धुर्वें, ग्राम बिजोरा, विकासखंड बैहर निवासी 2 वर्षीय दिलराज, ग्राम डाबरी, विकासखंड बिरसा निवासी 8 वर्षीय अमृता तथा परसवाड़ा निवासी 15 वर्षीय दिव्यांशी चौके शामिल हैं। डॉ. शत्रुघ्न दाहिया ने बताया कि कई बार परिवारों में जन्मजात समस्या को लेकर यह धारणा रहती है

कि इसका उपचार संभव नहीं है। इन बच्चों के परिजनों ने भी पहले झाड़-पूंक का सहारा लिया था। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा लगातार समझाइश और प्रयास के बाद परिवार उपचार के लिए तैयार हुए। सफल सर्जरी के बाद बच्चों के चेहरों पर खुशी लौट आई है। परिजनों ने मध्यप्रदेश शासन की योजना और स्वास्थ्य विभाग की टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि निःशुल्क उपचार उनके लिए बड़ी राहत साबित हुआ। बच्चों के स्वस्थ होकर घर लौटने पर गांव में भी खुशी का माहौल है।



विविध वेशभूषा और फूड स्टॉल के साथ मनाया विश्व पर्यटन दिवस..

जगप्रेरणा बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में 28 सितंबर को इतिहास विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर की अध्यक्षता में विश्व पर्यटन दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. अनुभूति सेंडीमन ने विश्व पर्यटन दिवस के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका उद्देश्य विश्व अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका और सांस्कृतिक विविधता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इसी उद्देश्य को लेकर महाविद्यालय में प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता पर आधारित विविध वेशभूषा एवं फूड स्टॉल लगाए गए। छात्राओं ने अलग-अलग पारंपरिक परिधानों और व्यंजनों के माध्यम से प्रदेश की संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुनील कुमार मासुलकर, डॉ. दीपरा मासुलकर, डॉ. सरोज घोड़ेबर, डॉ. स्वाति खोब्रागढ़, श्रीमती महामाया भट्टा एवं इतिहास विभाग की छात्राओं का विशेष योगदान रहा।

जिला कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन कर निकाला पैदल मार्च

जिला कलेक्टर के माध्यम से महामहिम

राष्ट्रपति के नाम कांग्रेसियों ने सौपा ज्ञापन

जगप्रेरणा सिवनी।
अखिल भारतीय कांग्रेस एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी द्वारा स्थानीय नगरपालिका चौराहा पर धरना प्रदर्शन आयोजित कर पैदल मार्च निकालकर जिला कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया । साथ ही वर्तमान में किसानों की मक्का एवं धान की तेज आधी तुफान से हुई नुकसानी के संबंध में भी जिला कलेक्टर को मुआवजा एवं राहत राशि की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में कहा गया कि मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को लेकर जिला कांग्रेस का ज्ञापन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण में कथित अनियमितताओंए पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने तथा निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई, धरना प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा भी विभिन्न राज्यों की मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं एवं वोट चोरी का मुद्दा लगातार उठाया गया है। कांग्रेस का कहना है कि इन गंभीर सवालों का निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से समाधान होना आवश्यक है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी ने आगे कहा श्मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं ने निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। हर पात्र नागरिक का मताधिकार सुरक्षित रहना चाहिए और मतदाता सूची के आंकड़ों में सामने आए अंतर की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें और उनकी भूमिका की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए।रजनीश सिंह ने कहा लोकतंत्र में एक.एक वोट की महत्वपूर्ण भूमिका है इसलिए किसी भी पात्र



मतदाता का नाम बिना उचित प्रक्रिया के नहीं हटना चाहिए। मतदाता सूची से जुड़े सभी सवालों का निर्वाचन आयोग को पारदर्शी तरीके से जवाब देना चाहिए। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें और निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े आरोपों की निष्पक्ष जांच हो। राजकुमार खुराना ने कहा भारत वह देश है,कांग्रेस के शासन में अमेरिका से पूर्व सभी महिलाओं को मतदान का अधिकार प्राप्त हुआ श्मतदाता सूची के आंकड़ों में सामने आया अंतर गंभीर सवाल है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो। अर्जुन काकोडिया ने कहा शहर पात्र नागरिक का वोट सुरक्षित रहना चाहिए। ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें और निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए।असलम खान ने कहा चुनाव व्यवस्था में जनता का विश्वास जरूरी है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के साथ पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। मोहन चंदेल ने कहा निर्वाचन प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों का जवाब जरूरी है। ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली की उच्चस्तरीय जांच हो। जेपीएस तिवारी द्वारा अपने सम्बोधन में मुख्य चुनाव आयुक्त मोदी एवं शाह का ऐजेंट निरूपित किया गया। शिव सनोडिया ;अधिकवा ने कहा मतदाता सूची कानून और पारदर्शी प्रक्रिया के अनुसार तैयार होनी चाहिए। ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। धरना प्रदर्शन का संचालन विष्णु करोसिया के द्वारा भाजपा की केन्द्र एवं राज्य की सरकार पर निशाना साधा। धरना प्रदर्शन को एड् कंकज शर्मा, जेपीएस तिवारी,अतुलचंद मालू, राजिक अकील, घनश्याम पटेल, तेजसिंह रघुवंशी, मुकेश सक्सेना, अरूण चैकसे,बसोरी लाल, कमलेश सनोडिया,

नितिन डहेरिया, कुलदीप काकोडिया, धनंजयसिंह, श्रीमती बरखा बघेल ने भी सम्बोधित किया। इसके पश्चात नेहरू रोड शुक्रवारी होते हुए कलेक्ट्रेट तक जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी के नेतृत्व में पैदल मार्च निकालकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौपा गया, ज्ञापन में कहा गया कि मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना चाहिये एवं एसआईआर पर सवाल खड़े करते हुए ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में सिवनी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 115 के मतदाता आंकड़ों में कथित अंतर का भी उल्लेख किया गया। निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 जुलाई 2026 को प्रकाशित मतदाता सूची में सिवनी नगरपालिका क्षेत्र में 80375 मतदाता जबकि भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त जानकारी में 75837 मतदाता बताए गए हैं। इस प्रकार दोनों आंकड़ों में 4538 मतदाताओं का अंतर सामने आता है। कांग्रेस ने इस अंतर की विशेष गहन मतदाता तथ्य सार्वजनिक करने की मांग की है। जिला कांग्रेस ने मांग की कि विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान हटाए गए नामों की स्वतंत्र जांच कराई जाए तथा बिना उचित सत्यापन एवं वैध कारण के हटाए गए पात्र मतदाताओं के नाम पुनः मतदाता सूची में जोड़े जाएं। साथ ही निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए। जिला कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता को लेकर उठ रहे सवालों की नैतिक जिम्मेदारी तय होना आवश्यक है। जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी ने मांग की कि मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच कराई जाएए बिना उचित

सत्यापन हटाए गए पात्र मतदाताओं के नाम पुनः जोड़े जाएं तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेकर उनकी भूमिका एवं निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी महासचिव राजा बघेल, हाजी हनीफ खान, ब्रजेशसिंह लहू बघेल, शिवराम सनोडिया, सेवकराम चन्द्रवंशी वीरेन्द्रसिंह ठाकुर, सुरेन्द्र करोसिया, दिनेश ठाकुर, श्यामसिंह ठाकुर, आजम दीवान अली, शफीक खान, तनवीर अहमद, मनोज राहंगडाले, सुभाष सिंह बघेल, विजय सिंह उड्डेक, आदित्यनारायण सिंह विकास बघेल, श्रीमती किरण कौवरेती, श्रीमती शिवकली बाई, नीलकंठ बाहेश्वर, सतीश सरयाम, मुबारक खान, श्रीमती श्यामकली बुआ, जितेन्द्र सनोडिया, डालेन्द्रसिंह राहंगडाले, जाहिद खान, देवीसिंह चैहान, विजय उड्डेक, यशपाल भलावी, अशोक नरेती, गिडियन टी सिंह, रंजीत यादव, जीशान, मंशराम चन्द्रवंशी, सिब् सेंगर, नब्बू भाई, जोएब जकी अनवर खान, प्रवेश बाबू भालोटिया, किशोरी कुंजाम, सलाम कुरैशी, दिलीप दुबे, विनोद पुरोहित, राजा मुबीन,, राजेन्द्र सिसोदिया, सुमित मिश्रा, विपिन यादव शक्तिसिंह जाडेजा, उदय सिंह बघेल, नन्दू यादव, योगेश चैधरी, संदीप बंटी जैन, विनोद नामदेव, विनोद यादव, श्रीमती ललिता बघेल, मिर्जा फेसल बेग, जयप्रकाशसिंह परिहार, सुजीत गोदरे, उत्तम धुर्वे, ब्रजभूषण सिंह बघेल, केशवराज सिंह चौहान, अनीस अंसारी, आबिद हुसैन, मनीष अग्रवाल, इब्राहिम खान, डालेन्द्र राहंगडाले, जाकिर हुसैन, सुभम डहेरिया, राकेश अग्रवाल, पमी दीवान, रामनाथ काकोडिया, गणेश भगत, शरद गोलू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

मक्के के खेत में मिला अज्ञात महिला का शव, शिनाख्त के प्रयास जारी..

जगप्रेरणा सिवनी।
जिले में कुरई थाना क्षेत्र के ग्राम सातोशा में बुधवार को मक्के के खेत में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी।
बरघाट एसडीओपी ललित गठरे ने बताया कि ग्राम सातोशा के एक खेत में अज्ञात महिला का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। प्रथम दृष्टया महिला स्थानीय निवासी नहीं लग रही है। महिला के पैर के पास काले निशान भी पाए गए हैं, जो प्रथम दृष्टया कंटेंट लगने से बने निशान जैसे प्रतीत हो रहे हैं। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि



पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस के अनुसार मृतका की अभी शिनाख्त नहीं हो पाई है। महिला खेत तक कैसे पहुंची और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने आसपास के गांवों में जानकारी जुटाने के साथ ही महिला की पहचान के प्रयास तेज कर दिए हैं।

बखारी में मुफ्ती तौहिद आलम द्वारा दिया गया कौमी एकता का पैगाम...

जगप्रेरणा सिवनी।
विश्व प्रसिद्ध अस्थायिक सूफी धर्म गुरु शेख अब्दुल्ला कादिर जिलानी बड़े पीर जो पूरे विश्व में सूफी विचार धारा के जनक है,उनके उर्स ग्यारवीं शरीफ का त्योहार पर शानदार प्रोग्राम ग्राम बखारी में आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या सभी समुदाय ने ग्यारवीं शरीफ में लंगर भंडारे में शामिल हुए।

सूफी समाजिक कार्यकर्ता सूफी मंजूर रज़ा कादरी द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि उसके बाद सिवनी से तशरीफ़ लाए हजरत अल्लामा मौलाना मुफ्ती तौहिद आलम साहब रजवी खतिबों ईमाम मस्जिद नूर अब्बिया राज्य परिवहन बस स्टैंड का शानदार खिताब हुआ आपने बखारी ग्राम में आयोजित प्रोग्राम को हिन्दुस्तान की भारतीय परम्परा गंगा जमुनी तहजीब संस्कृति को कायम रखने वाले ऐसे आयोजन की सराहना की और आयोजन समिति एवं समस्त ग्राम वासियों को ईद ए गौसिया ग्यारवीं शरीफ की मुबारकबाद दी आपने आगे कहा इस वक्त देश में नफरत फैलाने के लिए कुछ असमाजिक मत्त लगे हुए हैं जो हमारे देश प्रदेश सहित सिवनी जिले में शांति व्यवस्था बिगाड़ने में सक्रिय हैं लेकिन हम कौमी एकता अखंडता भाई चारा गंगा जमुनी तहजीब संस्कृति को कायम रखेंगे,जिस तरह आसमान की खूबसूरती उसमें तारों की चमक से है इस तरह मुल्क ए हिन्दुस्तान की खूबसूरती एकता अखंडता यहा मजारों दरगाह खानकाह पीर फकीर सूफी संत की



मजारों से है ये वो आस्था के मरकज है जहां किसी भी धर्म के मानने वाले को उसकी श्रद्धा अनुसार पूजा फातिहा पड़ते देखा जाता है ये हमारे देश की खूबसूरती है भारत में मजारो पर बुलडोजर चलवाकर कौमी एकता अखंडता भाई चारा गंगा जमुनी तहजीब संस्कृति को खत्म किया जा रहा है जो बिल्कुल नहीं होना चाहिए ? आपने समाज जनो से विषेय रूप से कहा आप फिजूल खर्च रोकें और मुस्लिम समाज के बच्चो को उक्षय शिक्षा दिला कर उनका उत्थान करें ये वक्त मुस्लिम समाज को राष्ट्र के लिए शिक्षित करने की जरूरत है आपको अपनी बच्चियों बच्चों को आला तालिम आधुनिक युग में आधुनिक शिक्षा हासिल करने के लिए अपने स्कूल कालेज यूनिवर्सिटी हास्पिटल वगैरह

बनानों में जागरूकता पैदा करने की जरूरत है। आपने आगे कहा मौजूदा समय में जिले में मुस्लिम मंदरसों से सिर्फ चंदे का कारोबार चल रहा है अहले सुन्नत व जमात के चंदे से समाज को पिछले तीन दशक से कोई लाभ नहीं हुआ है वलकी अहले सुन्नत व जमात की और ज्यादा नुकसान पहुंचा है हम अहले सुन्नत व जमात सुन्नी हनफी सूफी विचार धारा वाले लोग जोड़ने का काम करते हैं प्यार मोहब्बत बांटते हैं ये हमारे सूफी संत हजरत शेख अब्दुल कादिर जिलानी रहमतुल्लाह अलैय का पैगाम है। इस मर्हफल में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज महिलाओं बुजुर्गों नौजवानों ने शिरकत की ग्राम के हाजी हजरत उलमा ए अहले सुन्नत बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मानदेय व राशन संकट को लेकर धनौरा में भी रसोइयों व स्व-सहायता समूहों का अनिश्चितकालीन धरना जारी

3-4 माह से नहीं मिली मध्याह्न भोजन व सांझा चूल्हा की राशि

बलजीत सिंह/जगप्रेरणा धनौरा।
हम अपना अधिकार मांगते, नहीं किसी से भीख मांगते- के नारों के साथ विकासखंड धनौरा में प्रांतीय स्व-सहायता समूह रसोइया महासंघ के बैनर तले स्व-सहायता समूहों और रसोइयों का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। महीनों से मानदेय व मध्याह्न भोजन की राशि न मिलने से त्रस्त महिलाओं ने धरना स्थल पर टेंट लगाकर मोर्चा खोल रखा है। ताज्जुब की बात यह है कि लगातार दो दिनों से धूप व खुले आसमान के नीचे बैठे इन महिलाओं की सुध लेने शासन-प्रशासन का कोई भी जिम्मेदार नुमाइंदा मौके पर नहीं पहुंचा है, जिसे लेकर समूह संचालकों और रसोइयों में भारी रोष व्याप्त है।

कम दाना, कम आवंटन- उपस्थिति के हिसाब से नहीं मिल रहा खाद्यान्न...

समूहों ने गंभीर समस्या उजागर करते हुए बताया कि शालाओं में दर्ज बच्चों की वास्तविक उपस्थिति के अनुसार खाद्यान्न का आवंटन नहीं किया जा रहा है। शाला में 60ब से 80ब उपस्थिति के बजाय मात्र 40ब से 50ब खाद्यान्न ही दिया जा रहा है, जिससे पूरे माह बच्चों को निर्धारित पोषण आहार उपलब्ध कराना असंभव हो गया है। बैनर पर लिखा दर्द



3 से 4 माह से राशि अटकी, दुकानदार नहीं दे रहे उधार

धरने पर बैठे महिलाओं ने सौंपे गए ज्ञापनों का हवाला देते हुए बताया कि विकासखंड धनौरा अंतर्गत स्कूलों में संचालित मध्याह्न भोजन और आंगनबाड़ियों में चलने वाले %सांझा चूल्हा% की राशि विगत कई महीनों से समूहों के खातों में नहीं डाली गई है। जून, जुलाई और अगस्त माह की मध्याह्न भोजन राशि व रसोइयों का मानदेय अटका हुआ है। समूह संचालकों का कहना है कि वे अब तक अपनी निजी पुंजी लगाकर या उधारी में राशन व हरी सब्जियां लाकर बच्चों को भोजन उपलब्ध करा रहे थे। लेकिन अब किराना व सब्जी दुकानदारों ने उधारी देना पूरी तरह बंद कर दिया है। ऐसे में स्कूलों और आंगनबाड़ियों में बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन का संचालन पूरी तरह ठप होने की कगार पर पहुंच गया है।

साफ बयां कर रहा है--मध्याह्न भोजन-सांझा चूल्हा-कम है पैसा, कम है दाना, कैसे दें बच्चों को खाना...+।
मजदूरी करने को मजबूर गरीब रसोइया बहनें...

समूहों में काम करने वाली अधिकांश रसोइया बहनें अत्यंत निर्धन परिवारों से आती हैं। पिछले तीन महीनों से मानदेय की एक पाई न मिलने के कारण उनके घरों में चूल्हा जलना मुश्किल हो गया है। कई रसोइया अपने परिवार का पेट पालने के लिए स्कूल छोड़कर बाहर

15 तारीख तक का आश्वासन देकर अफसर क्यों भूल गए ...

8 सितंबर को जिला कार्यालय में शिकायत के बाद 15 तारीख तक भुगतान का वादा किया गया था, वह वादा पूरा क्यों नहीं हुआ? क्या प्रशासन को मजबूर महिलाओं का धूप में बैठना दिखाई नहीं दे रहा?

मजदूरी करने जाने पर विवश हैं। पूर्व में 8

धरने पर बैठे रसोइया बहनों व समूह संचालकों के सवाल...

+जब बजट स्वीकृत है, तो हमारे 3-4 माह की राशि किसके पास अटकी है?+ — स्कूलों और आंगनबाड़ियों में नियमित खाना बंटने के बाद भी समूहों की मध्याह्न भोजन राशि और सांझा चूल्हा का भुगतान अब तक क्यों नहीं किया गया? +दुकानदारों ने राशन देना बंद कर दिया, अब हम अपनी जेब से कब तक बच्चों को खिलाएं?+ — किराना और सब्जी व्यापारी उधारी देने से मना कर चुके हैं, ऐसे में प्रशासन हमसे किस आधार पर व्यवस्था चालू रखने की उम्मीद कर रहा है? +40-50ब खाद्यान्न में पूरे महीने का पेट कैसे भरें?+ — जब शालाओं में उपस्थिति 60 से 80 प्रतिशत रहती है, तो हमें दर्ज बच्चों के अनुपात में पूरा राशन क्यों नहीं दिया जाता? कम राशन मिलने से होने वाले घाटे की भरपाई कौन करेगा? +महीनों से मानदेय नहीं मिला, क्या हमारे परिवारों का पेट नहीं होता?+ — नाममात्र के मानदेय पर काम करने वाली गरीब रसोइया बहनें पिछले तीन महीने से खाली हाथ हैं। बिना पैसे के उनके घरों में चूल्हा कैसे जले?

सितंबर को जिला कार्यालय में आवेदन देने पर 15 तारीख तक भुगतान का आश्वासन मिला था, लेकिन आश्वासन की मियाद बीत जाने के बाद भी फूटी कौड़ी नहीं मिली, जिसके चलते उन्हें अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने के लिए बाध्य होना पड़ा।

पहाड़ी पंचायत में शराबबंदी को लेकर महिलाओं का आक्रोश, रैली निकालकर पूर्ण शराबबंदी की मांग..

जगप्रेरणा छपारा।
जनपद पंचायत छपारा के अंतर्गत ग्राम पंचायत पहाड़ी के ग्राम दरबई जोगीवाड़ा में सैकड़ों महिलाओं ने रैली निकालकर अवैध शराबबंदी को लेकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। महिलाओं ने नारा लगाते हुए कहा कि गांव में अब शराब नहीं बिकेगी।

ग्राम पंचायत भवन के सामने 29 सितंबर को सुबह 9-00 बजे से 10-30 बजे तक महिलाओं एवं गणमान्य नागरिकों ने शराबबंदी को लेकर नारेबाजी की और गांव में पूर्णतः शराबबंदी की मांग की। इस पर ग्राम पंचायत ने सर्वसम्मति से गांव में अवैध शराबबंदी का प्रस्ताव पारित किया। प्रस्ताव में निर्णय लिया गया कि यदि कोई व्यक्ति शराब पीकर उत्पात मचाते या सार्वजनिक स्थान पर देखा जाता है, तो उसका सामाजिक विरोध किया जाएगा।

बताया गया कि शराब के नशे में लोग असामाजिक गतिविधियों में संलग्न हो रहे हैं, जिससे धीरे-धीरे व्यक्ति आपराधिक प्रवृत्ति का होता जा रहा है। इसके कारण अनेक परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं।

गांव में अवैध शराब मिलने से कई लोग दिनभर नशे में रहते हैं, जिससे दैनिक कार्य प्रभावित हो रहा है। परिवार में कलह, आर्थिक तंगी और लड़ाई-झगड़े की घटनाएं बढ़ रही हैं। ग्राम पंचायत पहाड़ी द्वारा पूर्व में भी इस तरह का प्रस्ताव पारित कर कार्रवाई की गई थी, जिससे काफी सुधार देखा गया था। अब गांव के आसपास नालों और



जंगलों में शराब निकालकर बेची जाती है, जिस पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। सरपंच के मार्गदर्शन में आयोजित शराबबंदी रैली में सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया, जहां अवैध शराब को लेकर महिलाओं में भारी आक्रोश देखा गया। इस संबंध में सरपंच श्रीमती मीना इरपाचे ने कहा कि गांव के विकास और परिवारों की खुशहाली के लिए शराबबंदी आवश्यक है। पंचायत महिलाओं के इस निर्णय के साथ पूरी तरह खड़ी है और अवैध शराब बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

5

गुरुवार 01 अक्टूबर 2026

जग प्रेरणा

live

देश विदेश

भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, अमेरिका, ब्रिटेन, ईरान, चीन, जापान आदि की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

भाजपा को एक मौका दें, 31 दिसंबर 2029 तक पंजाब से नशे की समस्या खत्म कर देंगे : अमित शाह..

जालंधर, (भाषा)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पंजाब में मादक पदार्थ की समस्या को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि सरकार ने प्रतिबंधित पदार्थ के कारोबार को खुलेआम चलने दिया। अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए समर्थन की अपील करते हुए शाह ने कहा कि उनकी पार्टी 31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को “चिट्ठा” (हेरोइन) से मुक्त कर देगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा विधानसभा चुनाव +नशा मुक्त पंजाब+ के मुद्दे पर लड़ेगी। अपनी पार्टी के पंजाब को नशे के खतरे से मुक्त करने के संकल्प के बारे में महिलाओं को आश्वस्त करते हुए, उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने नक्सलवाद और आतंकवाद का उन्मूलन कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने पंजाब के जालंधर जिले के परगपुर में पार्टी की ‘नशा मुक्त पंजाब यात्रा’ के समापन के अवसर पर आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, +हमने इसे कश्मीर में किया है, हमने इसे पूर्वोत्तर में किया है। हमने नक्सलवाद को खत्म किया है, आतंकवाद का अंत किया है। हमें एक मौका दीजिए, हम पंजाब से चिट्ठा मिटा देंगे।+ पार्टी की यह यात्रा 18 सितंबर को शुरू हुई थी। शाह ने कहा, +मैं पंजाब की माताओं और युवाओं से वादा करता हूं - इस चुनाव में भाजपा का समर्थन करें, ‘कमल’ को वोट



दें और 31 दिसंबर, 2029 से पहले, हम पंजाब को चिट्ठा के व्यापार से मुक्त कर देंगे।+ उन्होंने कहा, “क्या ‘आप’ पंजाब को नशा-मुक्त बना सकती है? सिर्फ भाजपा ही पंजाब को नशा-मुक्त बना सकती है।” मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली ‘आप’ सरकार पर निशाना साधते हुए शाह ने आरोप लगाया कि सरकार ने पंजाब में “चिट्ठा” का कारोबार खुलेआम चलने दिया।

जालंधर पहुंचने पर गृह मंत्री ने यहां श्री देवी तालाब मंदिर में पूजा-अर्चना की। बाद में उन्होंने नशे की समस्या से प्रभावित कुछ परिवारों से मुलाकात की। शाह ने कहा, +मैं उन परिवारों से मिला जिन्होंने नशे की लत के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया, दो बेटों की तस्वीरें थामे एक मां ने कहा कि नशे के अभिशाप को समाप्त किया जाना चाहिए।+

उन्होंने कहा कि महिला ने उन्हें बताया कि उसने अपने बेटों को इस अभिशाप के कारण खो दिया है, लेकिन किसी अन्य मां को उसके जैसी स्थिति का सामना नहीं करना चाहिए। शाह ने कहा, +आज, मैं पंजाब के लोगों को बताने आया हूं - आगामी चुनाव में कई मुद्दे हैं। किसानों के मुद्दे हैं, उद्योग के मुद्दे हैं, कानून-व्यवस्था के मुद्दे हैं और फिर महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा है।+ उन्होंने कहा, +हालांकि, भाजपा आगामी चुनाव केवल

नशा-मुक्त पंजाब के मुद्दे पर लड़ेगी।+ किसी का नाम लिए बिना, उन्होंने कहा कि जो लोग खुद नशे में रहते हैं और सिख गुरुओं का अनादर करते हैं, वे पंजाब को नशे से मुक्त नहीं कर सकते।

रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, +जब मैं कहता हूं कि हम 31 दिसंबर, 2029 से पहले पंजाब को नशा-मुक्त बना देंगे, तो (आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और उनकी कंपनी मेरे पीछे क्या कहने वाली है? मैं पंजाब के लोगों को बताना चाहता हूं कि हमने जो पहले कहा था वो किया है।+

शाह ने कहा कि मादक पदार्थों के कारोबार में लिस लोगों को जेल भेजा जाएगा और पंजाब की माताओं से भाजपा का यह वादा है कि दिसंबर 2029 के बाद राज्य में युवाओं को मादक पदार्थों की आपूर्ति करने वाला कोई नहीं होगा। शाह ने लोगों से +अक्षम+ आप सरकार को हटाने का आग्रह किया और कहा, +दो वर्षों के भीतर, हम नशे के खतरे को खत्म कर देंगे।+ उन्होंने आरोप लगाया कि वीरों की भूमि पंजाब, किसानों की भूमि, खिलाड़ियों की भूमि, उस +रंगीला+ पंजाब को उन्होंने +चिट्ठा+ के रंग में रंग दिया है।+ पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान हुई मादक पदार्थों की बरामदगी से तुलना करते हुए, शाह ने कहा कि 2004 से 2014 तक 26 लाख किलोग्राम +चिट्ठा+ जप्त किया गया

था और 2014 से 2024 तक, जब मोदी सरकार सत्ता में है, 1.2 करोड़ किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किए गए।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मान सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में एक के बाद एक घोटाले हो रहे हैं।

उन्होंने उनमें से कुछ के नाम बताए - मोगा आउटडोर मीडिया विज्ञापन +घोटाला+, अमृतसर स्मार्ट सिटी +घोटाला+, जालंधर स्मार्ट सिटी +घोटाला+, बरनाला ट्रक यूनिन भूमि +घोटाला+, पंचायत निधि +घोटाला+ और आंगनवाड़ी पंजीरी +घोटाला+। शाह ने दावा किया कि आप सरकार विज्ञापनों पर सालाना 785 करोड़ रुपये खर्च करती है।

उन्होंने कहा, +मैं आज भगवंत मान से पूछने आया हूं कि आपके वादों का क्या हुआ? आपने 25 लाख नौकरियां देने, 1.25 लाख खाली पदों को भरने का वादा किया था। क्या हुआ? कुछ भी नहीं हुआ।+

शाह ने कहा कि भाजपा किसानों की समस्याओं का समाधान ढूंढेगी और पंजाब की वित्तीय स्थिति को ठीक करेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा को वोट देने का मतलब पूरी तरह नशा-मुक्त पंजाब के लिए वोट देना है। आप नेताओं को निशाना बनाते हुए, शाह ने लोगों से पूछा कि क्या दिल्ली में शराब घोटाले में पकड़े गए लोग पंजाब को नशा-मुक्त बना सकते हैं। उन्होंने लोगों से राज्य में भाजपा को शासन करने का मौका देने का अनुरोध करते हुए कहा, +आपने सभी को देखा है। क्या आपने कांग्रेस को नहीं देखा? क्या आपने आप को नहीं देखा है? आपने बाकी सभी को देखा है या नहीं?+

अदालत ने प्रत्युषा बनर्जी आत्महत्या मामले में राहुल राज को आरोप मुक्त किया

मुंबई, (भाषा)। **बंबई उच्च न्यायालय ने अभिनेत्री प्रत्युषा बनर्जी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी उनके पूर्व प्रेमी राहुल राज सिंह को बुधवार को आरोप मुक्त कर दिया। अदालत के इस फैसले से मुकदमे की सुनवाई**



याचिका खारिज होने के बाद उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख किया। न्यायमूर्ति एस जी दीगे की एकल पीठ ने सिंह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता आबाद पोंडा और अधिवक्ता श्रेयांस मिथारे की दलीलों को स्वीकार कर लिया। वकीलों ने दलील दी थी कि आखिरी बातचीत में राहुल ने प्रत्युषा को कोई भी कठोर कदम नहीं उठाने के लिए समझाने की कोशिश की थी।

शुरू होने से पहले ही राहुल को राहत मिल गई। लोकप्रिय टेलीविजन धारावाहिक ‘बालिका वधू’ में मुख्य भूमिका निभाने वाली बनर्जी ने एक अप्रैल, 2016 को मुंबई के उपनगरीय गोरगांव स्थित अपने किराए के फ्लैट में आत्महत्या कर ली थी।

अभिनेत्री के प्रेमी राहुल राज सिंह के खिलाफ उन्हें आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। उच्च न्यायालय ने जुलाई 2016 में उन्हें अग्रिम जमानत दे दी थी। पुलिस द्वारा 2018 में आरोप पत्र दाखिल किए जाने के बाद सिंह ने सत्र अदालत में आरोप मुक्त करने की याचिका दायर की थी। वहां

वकीलों ने कहा कि ऐसे में राहुल के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का कोई मामला नहीं बनता। राहुल के वकीलों के अनुसार, आखिरी बातचीत से पता चलता है कि आत्महत्या से पहले प्रत्युषा ने अपने माता-पिता समेत सभी को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया था। राहुल के वकीलों ने यह भी सवाल उठाया कि आत्महत्या नोट नहीं मिलने के बावजूद उनके खिलाफ जल्दबाजी में प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने तर्क दिया कि मुकदमे की कार्यवाही जारी रखना ‘कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग’ होगा। इसके बाद उच्च न्यायालय ने राहुल की याचिका स्वीकार कर ली और उन्हें मामले में मुकदमे का सामना नहीं करना पड़ेगा।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने गुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्सअप पर भी उपलब्ध है। अपने गुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी गुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

गुजरात में सामने आए वीडियो में कांग्रेस विधायक मेवाणी पर टिकट के बदले 4 लाख रुपये लेने का आरोप

पालनपुर, (भाषा)। गुजरात में सामने आए एक वीडियो में बनासकांठा जिले में एक बैठक के दौरान एक पूर्व सरपंच, कांग्रेस विधायक जिमनेश मेवाणी पर पार्टी टिकट के बदले 4 लाख रुपये लेने का आरोप लगाते हुए दिख रहे हैं और इस घटना के बाद भाजपा ने मेवाणी की आलोचना की है। यह घटना उस वक्त हुई, जब कांग्रेस की गुजरात इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष और बनासकांठा जिले की वडगाम सीट से विधायक मेवाणी, 28 सितंबर की रात को अपने निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले टोकरिया गांव में एक सभा में शामिल हुए। मेवाणी ने आरोप लगाने वाले व्यक्ति से पैसे लेने से इनकार किया और स्पष्ट किया कि अगर कांग्रेस कार्यकर्ता ने रकम दी थी, तो यह एक आंतरिक मामला है। टोकरिया के पूर्व सरपंच याकूब शेरसिया ने बैठक में आरोप लगाया कि उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर मेवाणी को चार लाख रुपये दिये थे। वीडियो में शेरसिया को यह कहते सुना जा सकता है, “जिनेशभाई, क्या आपने मुझसे 4 लाख रुपये नहीं लिए थे? मैंने आपको सर्किट हाउस में पैसे दिए थे या नहीं? मैं कुतुब शरीफहाथ में लेकर कसम खाने को तैयार हूँ।” उन्होंने यह



वीडियो में शेरसिया को यह कहते सुना जा सकता है, “जिनेशभाई, क्या आपने मुझसे 4 लाख रुपये नहीं लिए थे? मैंने आपको सर्किट हाउस में पैसे दिए थे या नहीं? मैं कुतुब शरीफहाथ में लेकर कसम खाने को तैयार हूँ।” उन्होंने यह

का “असली चेहरा” दिख रहा है। वाजा ने कहा, “बनासकांठा जिले के टोकरिया गांव में, एक मुस्लिम नेता ने वडगाम के विधायक के सामने ही खुलेआम आरोप लगाया कि जिनेशभाई ने पार्टी के एक कार्यकर्ता से 4 लाख रुपये नकद लिए थे।” वाजा ने यह भी दावा किया कि

विधायक ने 4 लाख रुपये के इस आरोप को “अप्रत्यक्ष रूप से स्वीकार” कर लिया। मेवाणी वडगाम से दो बार के विधायक हैं और प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं। कांग्रेस विधायक दल के नेता तुषार चौधरी ने मेवाणी का बचाव करते हुए कहा कि विधायक ने स्पष्ट कर दिया है कि उन्होंने शेरसिया से पैसे नहीं लिए थे। चौधरी ने कहा, “उस वीडियो में, आरोप लगाने वाले व्यक्ति के बारे में जिनेशभाई ने साफतौर पर कहा है कि उन्होंने उससे कोई पैसा नहीं लिया था।” उन्होंने दावा किया कि सार्वजनिक रूप से इस मुद्दे को उठाने का मकसद मेवाणी को बदनाम करना है।



उन्हें खारिज कर चुकी है। सिंह ने बताया कि विशेष अदालत ने 21 सितंबर को अविनाश शुक्ला, मनीष कुमार यादव और रामशंकर मिश्रा की जमानत याचिकाएं तथा 22 सितंबर को अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा और करुणेश पांडेय की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। उन्होंने कहा कि अगर अगली सुनवाई में श्रीवास्तव और यादव की जमानत याचिकाएं भी खारिज होती हैं तो बचाव पक्ष उनके साथ अन्य आरोपियों के लिए भी इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में जमानत याचिका दाखिल करेगा।

अधिवक्ता ने बताया कि वह और उनके सहयोगी हॉल में दाखिल आरोपपत्र का अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरोपपत्र हजारों पत्रों का है और इसी के अध्ययन के आधार पर अदालत में दलीलें पेश की जाएंगी।

मामले की जांच उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने की है। एसआईटी ने करीब 70,000 पत्रों का आरोपपत्र दाखिल किया है, जिसमें 173 गवाहों के नाम शामिल हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, जांचकर्ताओं ने चंदे की रकम की गिनती के दौरान कथित तौर पर नकदी को अलग किए जाने

के 105 मामलों से संबंधित वीडियो साक्ष्य भी एकत्र किए हैं। यह मामला अयोध्या स्थित राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए नकदी और अन्य कीमती सामान के कथित गबन से जुड़ा है। मामले की जांच के लिये गठित विशेष अन्वेषण दल (एसआईटी) की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर 25 जून को प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों में अधिकतर बैंक कर्मचारी हैं, जिन्हें चढ़ावे की रकम की गिनती के काम में लगाया गया था। आरोप है कि सुभाष श्रीवास्तव चढ़ावे की रकम की गिनती की प्रक्रिया की निगरानी कर रहा था, जबकि टिट्यू यादव चालक के रूप में काम करता था। यादव श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय का करीबी सहयोगी था।

सपा के राज्यसभा उम्मीदवार नाथवानी ने हलफनामे में घोषित की 373 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति..

लखनऊ, (भाषा)। **राज्यसभा चुनाव के लिये समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवार धनराज परिमल नाथवानी ने अपने, अपनी पत्नी और दो आश्रितों के नाम पर 373 करोड़ रुपये से अधिक की चल-अचल संपत्ति घोषित की है।** उन्होंने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपनी वार्षिक आय 19.61 करोड़ रुपये बताई है। नाथवानी (40) को सपा ने उत्तर प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने बुधवार को वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव के साथ उनके नाम की घोषणा की और इसके बाद नाथवानी ने लखनऊ में अपना नामांकन दाखिल किया। नाथवानी द्वारा दाखिल हलफनामे के मुताबिक उनके नाम पर 77.75 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है जबकि उनकी पत्नी के नाम पर 211.10 करोड़ रुपये की चल संपत्ति घोषित की गई है। शपथपत्र के अनुसार दो आश्रितों के नाम पर क्रमशः करीब 1.95 करोड़ रुपये और

1.20 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है। नाथवानी की चल संपत्ति में करीब 55.76 करोड़ रुपये के शेयर, बॉन्ड, ऋणपत्र और म्यूचुअल फंड में निवेश शामिल हैं। इसके अलावा उनके बैंक खातों में लगभग 10.63 करोड़ रुपये जमा हैं, जबकि करीब 6.92 करोड़ रुपये व्यक्तिगत ऋण एवं प्राण राशि के रूप में दर्ज हैं। डाकघर बचत योजनाओं और बीमा में करीब 2.81 करोड़ रुपये का निवेश है। हलफनामे के विवरण के मुताबिक नाथवानी की पत्नी ने शेयर, बॉन्ड और अन्य वित्तीय साधनों में करीब 199.44 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। उनके पास लगभग 1.87 करोड़ रुपये की बैंक जमा राशि तथा 8.54 करोड़ रुपये के आभूषण और अन्य मूल्यवान वस्तुएं हैं। शपथपत्र के मुताबिक नाथवानी की स्वयं अर्जित अचल संपत्तियों का मौजूदा बाजार मूल्य करीब 27.67 करोड़ रुपये और उनकी पत्नी की ऐसी संपत्तियों का मूल्य 53.59 करोड़ रुपये है, जबकि इन संपत्तियों की खरीद लागत क्रमशः 7.93 करोड़ रुपये और 32.49 करोड़ रुपये बताई गई है। हलफनामे के मुताबिक नाथवानी पर करीब 3.01 करोड़ रुपये की देनदारियां हैं, जिनमें 41.59 लाख रुपये सरकारी बकाया और करीब 2.59 करोड़ रुपये बैंक तथा अन्य संस्थानों के ऋण शामिल हैं। उनकी पत्नी की देनदारियां करीब 18.56 लाख रुपये हैं। विवरण के मुताबिक वर्ष 2025-26 में नाथवानी ने अपनी आमदनी 19.61 करोड़ रुपये और पत्नी की आय करीब 1.48 करोड़ रुपये बताई है। उनकी आय के स्रोतों में पेशेवर आय, किराया, पूंजीगत लाभ और अन्य स्रोत शामिल हैं।हलफनामे में नाथवानी का पेशा रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पेशेवर सलाहकार तथा गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के निदेशक के रूप में दर्ज है। उन्होंने तीन निजी कंपनियों में शेयरधारक होने की भी घोषणा की है। नाथवानी ने अपने खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं होने और किसी मामले में दोषी नहीं ठहराए जाने की जानकारी दी है। हलफनामे के अनुसार नाथवानी की उच्चतम शैक्षणिक योग्यता कॉर्पोरेट कानून और जनसंपर्क प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ एमबीए है, जो उन्होंने सितंबर 2008 में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से पूरी की थी।

टॉफी का लालच देकर आठ वर्षीय बच्ची से आपत्तिजनक कृत्य, 65 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर (उप्र), (भाषा)। सहारनपुर जिले के कुतुबशेर क्षेत्र में टॉफी दिलाने का लालच देकर आठ वर्षीय बच्ची से ‘आपत्तिजनक कृत्य’ करने के आरोप में पुलिस ने 65 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी (नगर-प्रथम) सारिका चौधरी ने बुधवार को बताया कि बच्ची के परिजनों के अनुसार, बच्ची करीब चार दिन पहले अन्य बच्चों के साथ घर के बाहर खेल रही थी, तभी चाय की दुकान पर बैठे आरोपी ने उसे अपने पास बुलाया और 10 रुपये देकर टॉफी दिलाने की बात कहकर अपने साथ ले गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपी बच्ची को कथित तौर पर एक सुनसान स्थान पर ले गया, जहां उसने उसके साथ ‘आपत्तिजनक कृत्य’ किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना के बाद बच्ची घर लौटी तो वह सहमी हुई थी और परिजनों के पूछने पर उसने उन्हें घटना की जानकारी दी। चौधरी ने बताया कि परिजन बच्ची को लेकर कुतुबशेर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बच्ची की काउंसलिंग कराई और शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपी की पहचान की और उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच जारी है।

FASHION FACTORY

Style that Defines You

For Boys & Girls
Trendy • Stylish • Affordable

NEW ARRIVAL

Latest Collection | Best Quality | Best Price

- ✓ Watches & Belts
- ✓ Earrings & Accessories
- ✓ Caps & Sunglasses
- ✓ T-Shirts, Jeans & Lowers
- ✓ Wallets & Perfumes
- ✓ Keychains & Fancy Items

Main Road, Mahaveer Chowk,
Beauty Corner ke saamne, Balaghat (M.P.)

8827333882



6

गुरुवार 01 अक्टूबर 2026

जग प्रेरणा

खेल मनोरंजन

खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..



लांजी - हैदराबाद स्लीपर बस संचालन फिर बेपटरी, बस स्टैंड में अव्यवस्था और मनमानी से यात्री परेशान

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी से हैदराबाद के बीच संचालित होने वाली स्लीपर बसों को लेकर कुछ समय पहले जिस अव्यवस्था पर लगाम लगाने की कवायद हुई थी, वह अब फिर पुराने ढर्रे पर लौटती नजर आ रही है। करीब एक माह पहले क्षेत्रीय विधायक की मौजूदगी में बस संचालकों



और परिवहन विभाग के अधिकारियों की बैठक में बस संचालन एवं यात्री किराए को लेकर व्यवस्था तय किए जाने के बाद कुछ दिनों तक हालात संभले रहे, लेकिन अब बस संचालकों की मनमानी फिर दिखाई देने लगी है। बस स्टैंड परिसर में जगह-जगह टिकट काउंटर, पार्किंग स्थल पर अतिक्रमण और सड़क पर खड़ी बसों के कारण यात्रियों के साथ आम राहगीरों को भी परेशानी उठनी पड़ रही है। लांजी से हैदराबाद के बीच निजी स्लीपर बस सेवा क्षेत्र के लोगों के लिए लंबी दूरी की यात्रा का प्रमुख साधन है। लेकिन सुविधा के साथ सुव्यवस्थित संचालन भी जरूरी है। वर्तमान में बस स्टैंड परिसर का नजारा ऐसा है कि पार्किंग के लिए निर्धारित स्थान पर ही कई टिकट काउंटर संचालित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। वहीं बसों के खड़े होने की उचित व्यवस्था नहीं होने से कई बार मुख्य मार्ग पर बसें खड़ी दिखाई देती हैं, जिससे यातायात प्रभावित होने के साथ यात्रियों और राहगीरों को भी परेशानी होती है। क्षेत्रीय विधायक राजकुमार करहि ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द कार्रवाई की बात कही है। उनका कहना है कि पिछले कुछ दिनों से इस संबंध में शिकायतें प्राप्त हो रही हैं और मामला उनके संज्ञान में है। उन्होंने परिवहन अधिकारी से

चर्चा कर जल्द समस्या का समाधान कराने की बात कही है।

बैठक के बाद कुछ दिन चला नियमों का दौर, फिर वहीं स्थिति

करीब एक माह पूर्व क्षेत्रीय विधायक की मौजूदगी में बस संचालकों एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में बसों का संचालन नियमानुसार करने तथा यात्री किराए को निर्धारित व्यवस्था के अनुरूप रखने को लेकर निर्देश दिए गए थे। साथ ही लांजी-हैदराबाद रूट पर सीमित संख्या में बसों के संचालन की बात भी कही गई थी। बैठक के बाद कुछ दिनों तक इसका असर दिखाई दिया, लेकिन अब स्थिति फिर पहले जैसी होने लगी है। बस संचालकों के बीच यात्रियों को लेकर प्रतिस्पर्धा और अधिक बसें संचालित करने की होड़ के चलते व्यवस्था प्रभावित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। बस स्टैंड परिसर में टिकट काउंटरों की बढ़ती संख्या और पार्किंग स्थल के उपयोग को लेकर भी स्थिति स्पष्ट रूप

से व्यवस्थित नहीं दिखाई दे रही।
फिटनेस और परिवहन मानकों की जांच जरूरी

लंबी दूरी के इस रूट पर संचालित स्लीपर बसों की फिटनेस, परमिट, दस्तावेज और अन्य निर्धारित मानकों की नियमित जांच भी महत्वपूर्ण है। स्थानीय स्तर पर बसों के संचालन को लेकर तरह-तरह की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में परिवहन विभाग द्वारा नियमानुसार सघन जांच की जाए तो बसों की वास्तविक स्थिति भी स्पष्ट हो सकती है। यात्रियों की सुरक्षा के लिहाज से यह केवल परिवहन व्यवस्था का विषय नहीं है। बसों का तकनीकी रूप से दुरुस्त होना, आवश्यक दस्तावेजों का उपलब्ध होना और निर्धारित नियमों के अनुसार संचालन होना भी उतना ही जरूरी है। ऐसे में परिवहन विभाग से नियमित निरीक्षण और कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है।

बोले लांजी-किरनापुर विधानसभा विधायक राजकुमार करहि..

‘पिछले कुछ दिनों से लांजी-हैदराबाद रूट की बसों के संचालन को लेकर शिकायतें मेरे संज्ञान में आ रही हैं। इस संबंध में परिवहन अधिकारी से चर्चा कर जल्द ही आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी। जो बस संचालक निर्धारित नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।’

साथ ही बसों की फिटनेस और अन्य निर्धारित मानकों की जांच भी कराई जाएगी। जो बसें तय मानकों के अनुरूप संचालित नहीं पाई जाती हैं, उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई के साथ नियमानुसार शुल्क भी वसूल किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं होने दिया जाएगा।’

श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी, लांजी में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जगप्रेरणा लांजी।

श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी, लांजी में विद्यार्थियों एवं युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को मतदान के महत्व,



लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाताओं की भूमिका तथा निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बताया गया कि मतदान प्रत्येक नागरिक का महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक अधिकार है। एक जागरूक मतदाता ही देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के दौरान

विद्यार्थियों को अपने परिवार, आसपास के लोगों एवं समाज के अन्य नागरिकों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

साथ ही सभी पात्र नागरिकों से अपने मतदाधिकार का प्रयोग करने तथा बिना किसी दबाव, प्रलोभन या भेदभाव के स्वतंत्र रूप से मतदान करने की अपील की गई। महाविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों

को लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक कर्तव्यों तथा चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के महत्व की जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में शत-प्रतिशत मतदान के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना था।

श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी, लांजी ने इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक एवं लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता विकसित करने का संदेश दिया। साथ ही महाविद्यालय में अध्ययनरत ऐसे विद्यार्थी जिनकी आयु 18 वर्ष हो चुकी है उनका वोटर आईडी एप्लिकेशन फॉर्म भी भरा गया। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक, अशैक्षणिक एवम् विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिला स्तरीय शतरंज में लांजी महाविद्यालय की त्रिवेणी व मानसी का शानदार प्रदर्शन, संभाग के लिए चयन..

जगप्रेरणा लांजी।

खेल जगत में शासकीय महाविद्यालय लांजी की प्रतिभाएं लगातार अपनी पहचान बना रही हैं। इसी क्रम में महाविद्यालय की दो छात्राओं ने शतरंज की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट

प्रदर्शन करते हुए संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होकर महाविद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। डॉ. सुधन्वा सिंह नेताम शासकीय महाविद्यालय मलाजखंड में 29 सितंबर 2026 को जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और अपनी बौद्धिक क्षमता एवं खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबलों के बीच शासकीय महाविद्यालय लांजी की छात्रा त्रिवेणी बड़ई और मानसी बोरकर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। दोनों छात्राओं की इस उपलब्धि से शासकीय



महाविद्यालय लांजी में खुशी का माहौल है। छात्राओं की सफलता में महाविद्यालय के क्रीड़ा एवं अन्य गतिविधियों के मार्गदर्शक डॉ. ललित कामड़े के मार्गदर्शन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके मार्गदर्शन में छात्राओं ने प्रतियोगिता की तैयारी की और जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर

संभाग के लिए अपना स्थान बनाया।

पांडुर्ना में दिखाएंगी प्रतिभा

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सफलता हासिल करने के बाद अब त्रिवेणी बड़ई और मानसी बोरकर आगामी 5 अक्टूबर 2026 को पांडुर्ना में आयोजित संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। यहां दोनों छात्राओं का सामना संभाग के विभिन्न जिलों से चयनित खिलाड़ियों से होगा। शतरंज जैसे खेल में एकाग्रता, धैर्य, रणनीति और त्वरित निर्णय क्षमता का विशेष महत्व होता है। ऐसे में जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संभाग के लिए चयनित होना दोनों छात्राओं की मेहनत और खेल प्रतिभा को दर्शाता है। त्रिवेणी बड़ई और मानसी बोरकर की उपलब्धि पर शासकीय महाविद्यालय

सफाई मित्रों के स्वास्थ्य को लेकर शिविर, नुककड़ नाटक से दिया स्वच्छता का संदेश..

जगप्रेरणा लांजी।

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0, स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर परिषद लांजी द्वारा सफाई मित्रों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सम्मान को लेकर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।



इसी क्रम में सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर आयोजित कर सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। वहीं शासकीय महाविद्यालय लांजी में स्वच्छता जागरूकता पर आधारित नुककड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों एवं नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। नगर परिषद अध्यक्ष रेखा ताराचंद कलबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेकर, स्वच्छता सभापति विजय गोस्वामी, सभापति किशोर रामटेकर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी मयूर वाहने के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में आयोजित शिविर में सफाई मित्रों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई। शिविर में सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई। साथ ही उन्हें नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, व्यक्तिगत स्वच्छता, सुरक्षित कार्यप्रणाली तथा कार्य के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। इस दौरान

सफाई मित्रों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने तथा किसी भी स्वास्थ्य संबंधी परेशानी को नजरअंदाज नहीं करने के लिए प्रेरित किया गया। नगर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में सफाई मित्रों के योगदान की सराहना करते हुए उनके प्रति सम्मान भी व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि सफाई मित्र प्रतिदिन विभिन्न परिस्थितियों में कार्य करते हुए नगर की स्वच्छता व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान का ध्यान रखना सामूहिक जिम्मेदारी है।

नुककड़ नाटक से दिया स्वच्छता का संदेश

इसी क्रम में शासकीय महाविद्यालय लांजी में स्वच्छता ही सेवा एवं सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता जागरूकता पर आधारित नुककड़ नाटक का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने प्रभावी संवाद और प्रस्तुति के माध्यम से स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने, सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने, कचरे का उचित प्रबंधन करने तथा गोले और सूखे कचरे को स्रोत पर ही अलग-अलग रखने का संदेश दिया। नुककड़ नाटक के माध्यम से लोगों को कचरा इधर-उधर नहीं फेंकने, निर्धारित स्थान पर ही कचरा डालने और नगर की स्वच्छता व्यवस्था में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की और स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। नगर परिषद द्वारा बताया गया कि स्वच्छ एवं सुंदर लांजी के निर्माण के लिए केवल सफाई व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से स्वच्छता ही सेवा एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सफाई मित्रों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, स्वच्छता जागरूकता और जनभागीदारी से जुड़ी गतिविधियां निरंतर आयोजित की जा रही हैं।

पंचायतों के आय-व्यय एवं कैशबुक मिलान को लेकर दृष्टि ऐप की कार्यशाला आयोजित

जगप्रेरणा लांजी।

जनपद पंचायत लांजी के सभा हाल में बुधवार को दृष्टि ऐप एवं पोर्टल को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला आयोजित की गई। मध्यप्रदेश शासन के संचालनालय स्तर से आयोजित इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पंचायतों के वित्तीय रिकॉर्ड को अधिक व्यवस्थित



एवं पारदर्शी बनाना तथा पंचायतों के आय-व्यय का ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कैशबुक से मिलान करने की प्रक्रिया से संबंधित जानकारी प्रदान करना था।

कार्यशाला में पंचायतों में संचालित वित्तीय गतिविधियों, आय-व्यय के लेखे-जोखे तथा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कैशबुक के बीच सामंजस्य स्थापित करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि दृष्टि पोर्टल पंचायत दर्पण ऐप के सॉफ्टवेयर में संचालित होगा, जिसके माध्यम से

पंचायत स्तर पर वित्तीय जानकारी को व्यवस्थित रूप से दर्ज एवं मिलान करने में सुविधा मिलेगी।

प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए मध्यप्रदेश शासन के संचालनालय से तारेन्द्र कुमार झरिया विशेष रूप से जनपद पंचायत लांजी पहुंचे। उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को दृष्टि ऐप की कार्यप्रणाली, उसके उपयोग तथा आवश्यक प्रक्रियाओं के संबंध में जानकारी दी।

इस अवसर पर जनपद पंचायत लांजी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सिंघई, खंड पंचायत अधिकारी लेखराज रामटेकर सहित बड़ी

संख्या में रोजगार सहायक एवं पंचायत सचिव उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान कर्मचारियों ने दृष्टि ऐप से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं को समझा तथा प्रशिक्षण के दौरान अपनी शंकाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल माध्यम से पंचायतों के वित्तीय रिकॉर्ड को व्यवस्थित करने की दिशा में दृष्टि ऐप महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे पंचायतों के आय-व्यय संबंधी रिकॉर्ड के मिलान एवं निगरानी की प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाने में मदद मिलेगी।

28 वर्षों की सेवा के बाद शिक्षिका गीता छेदाम को भावभीनी विदाई, नई पदस्थापना पर दी शुभकामनाएं

जगप्रेरणा लांजी।

शासकीय प्राथमिक शाला सोगलपुर में पदस्थ शिक्षिका गीता छेदाम को 28 वर्ष की सेवाओं के बाद स्थानांतरण होने पर शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणजनों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। विदाई कार्यक्रम 28 सितंबर 2026 को विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। गीता छेदाम ने शासकीय प्राथमिक शाला सोगलपुर में 28 वर्षों तक अपनी सेवाएं देते हुए विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब उनका स्थानांतरण वनांचल क्षेत्र स्थित शासकीय प्राथमिक शाला बागदेही वार्ड क्रमांक-1, लांजी में हुआ है, जहां वे अपनी सेवाएं देंगी। विदाई कार्यक्रम में कैलाश वैध, शिक्षक एवं संचालक पाली एकेडमिक इंस्टिट्यूट



बिसोनी, विनय कुशले, सरपंच ग्राम पंचायत

सहभागिता ने आयोजन को आत्मीय बना दिया।

रमपुरा, ईश्वरी सातपुते, शिक्षक तथा संध्या सोनवाने, शिक्षिका सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणजनों ने गीता छेदाम के कार्यकाल को याद करते हुए उनके योगदान की सराहना की तथा नई पदस्थापना के लिए शुभकामनाएं दीं। लंबे समय तक एक ही विद्यालय में सेवाएं देने के बाद स्थानांतरण होने से विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों में भावुक माहौल रहा। कार्यक्रम के दौरान शिक्षिका गीता छेदाम के प्रति सम्मान एवं स्नेह व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और नई पदस्थापना पर सफल कार्यकाल की कामना की गई। विदाई कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों और ग्रामीणजनों की

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

यात्री वाहनों के लिए कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल इकोनॉमी (सीएएफई-3) के नए मानदंड अधिसूचित –1अप्रैल 2027 से यात्री वाहनों का नया दौर! –कम ईंधन खपत, कम प्रदूषण, ग्राहक की जेब और पर्यावरण पर असर? –समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर केंद्र सरकार ने यात्री वाहनों के लिए कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल इकोनॉमी याने सीएएफई-3के नए मानदंड अधिसूचित किए हैं। ये नियम 1 अप्रैल 2027 से 31 मार्च 2032 तक लागू रहेंगे और भारत में बिक्री के लिए बनाए या आयात किए जाने वाले नए यात्री वाहनों पर लागू होंगे। इसका सीधा संबंध किसी एक यात्री वाहन के माइलेज से नहीं,बल्कि किसी वाहन निर्माता द्वारा एक वर्ष में बेची गई उसकी पूरी यात्री वाहन (कारों) की औसत ईंधन खपत और उनसे होने वाले कार्बन उत्सर्जन से है।यानें सरकार किसी कंपनी से यह कह रही है कि वह केवल ज्यादा यात्री वाहन बेचने पर ध्यान न दे,बल्कि उसके पूरे वाहन समूह की औसत ईंधन दक्षता भी लगातार बेहतर हो।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि सबसे पहले समझिए कि सीएएफई -3 आखिर है क्या? सीएएफई को बिल्कुल सरल भाषा में समझें तो यह रात्रि वाहनों, कार कंपनियों के लिए ईंधन बचत और प्रदूषण नियंत्रण का सामूहिक नियम है।उदाहरण के लिए,किसी कंपनी की कुछ यात्री वाहन, कारों ज्यादा ईंधन खर्च करती हैं और कुछ कारें कम ईंधन खर्च करती हैं। सरकार प्रत्येक मॉडल को अलग-अलग एक ही सीमा में बांधने के बजाय कंपनी के पूरे वाहन समूह का औसत देखती है।इसीलिए इसे कॉरपोरेट औसत कहा जाता है। इसका उद्देश्य यह है कि समय के साथ कंपनियां ऐसे यात्री वाहन ऐसी कारें बनाएं जो समान दूरी तय करने में कम पेट्रोल या अन्य ईंधन खर्च करें और कम कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ें। नए सीएएफई-3 नियमों में यह व्यवस्था वर्ष-दर-वर्ष अधिक कड़ी होगी, ताकि वाहन उद्योग को अचानक नहीं बल्कि चरणबद्ध तरीके से नई तकनीक अपनाने का अवसर मिले।

साथियों बात अगर हम आम नागरिक केलिए इसका सबसे बड़ा मतलब क्या है? इसको समझने की करें तो आम आदमी के लिए इसका सबसे आसान अर्थ है भविष्य की कारों यात्री वाहनों को अधिक ईंधन-कुशल बनाने का दबाव अब वाहन कंपनियों पर बढ़ेगा।नए ढांचे में संदर्भ स्तर पर ईंधन खपत का मानक 2027-28 में 3.996

लीटर प्रति 100 किलोमीटर से घटकर 2031 -32 में 3.3273 लीटर प्रति 100 किलोमीटर किया गया है। यह लगभग 16.7 प्रतिशत सुधार का लक्ष्य है।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण बात समझना जरूरी है कि ये आंकड़े किसी एक सामान्य कार के वास्तविक सड़क-माइलेज का दावा नहीं हैं। यह कंपनियों के पूरे वाहन समूह की नियामकीय औसत गणना का हिस्सा है।वास्तविक माइलेज कार के मॉडल,वजन,इंजन, सड़क,यातायात और ड्राइविंग शैली के अनुसार अलग हो सकता है।

साथियों बात अगर हम क्या इसका मतलब है कि पेट्रोल- डीजल कारें यात्री वाहन बंद हो जाएंगी? इसको समझने की करें तो,नहीं। सीएएफई-3 का अर्थ यह नहीं है कि 2027 से पेट्रोल या डीजल कारों की बिक्री बंद हो जाएगी। इसका उद्देश्य वाहन कंपनियों को अधिक ईंधन- कुशल और कम-उत्सर्जन वाले वाहनों की ओर ले जाना है। इसके लिए कंपनियों को केवल इलेक्ट्रिक कार बनाने के लिए बाध्य करने के बजाय कई तकनीकी रास्ते उपलब्ध कराए गए हैं।इनमें बैटरी से चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहन, रेंज बढ़ाने वाली विद्युत तकनीक, प्लग-इन हाइब्रिड, मजबूत हाइब्रिड और प्लेक्स-फ्यूल वाहन शामिल हैं। इस तरह सरकार ने एक ही तकनीक को अनिवार्य करने के बजाय अलग-अलग तकनीकों को अपनाने की सटीकता से गुंजाइश रखी है।

साथियों बात अगर हम सुपर क्रेडिट को भी आसान भाषा में समझने की करें तो सीएएफई -3 की चर्चा में सबसे ज्यादा तकनीकी शब्दों से एक है सुपर क्रेडिट। इसे सामान्य भाषा में कंपनियों के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन अंक समझा जा सकता है। यदि कोई कंपनी इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड या कुछ निर्धारित वैकल्पिक-ईंधन वाली कारें बेचती है, तो सीएएफई की गणना में उन्हें सामान्य कारों की तुलना में अधिक लाभ मिलता है। इसका उद्देश्य कंपनियों को ऐसी स्वच्छ तकनीक वाले वाहनों का उत्पादन और बाजार में विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करना है। अंतिम अधिसूचित व्यवस्था में अलग- अलग स्वच्छ वाहन तकनीकों के लिए अलग- अलग गुणक रखे

गए हैं। इसलिए इसे यह समझना अधिक सही होगा कि सरकार कंपनियों को स्वच्छ तकनीक अपनाने पर अनुपालन में अतिरिक्त सुविधा दे रही है, न कि ग्राहक को सीधे कोई नकद छूट दे रही है।

साथियों बात अगर हम इथेनॉल, जैव ईंधन और सीबीजी को भी मिलेगा महत्व को समझने की करें तो नए ढांचे की एक महत्वपूर्ण विशेषता कम-कार्बन वाले ईंधनों को मान्यता देना है। इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल, जैव ईंधन और संपीड़ित जैव गैस जैसे विकल्पों को कार्बन न्यूट्रैलिटी फैक्टर के माध्यम से सीएएफई- की गणना में मान्यता देने की व्यवस्था की गई है।सरल शब्दों में इसका मतलब है कि सरकार केवल इलेक्ट्रिक वाहन को ही भविष्य का रास्ता नहीं मान रही, बल्कि भारत में उपलब्ध वैकल्पिक और अपेक्षाकृत कम-कार्बन ईंधनों को भी संक्रमण के हिस्से के रूप में देख रही है। इससे भारत के लिए पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करने और घरेलू वैकल्पिक ईंधनों के इस्तेमाल को बढ़ाने की दिशा में भी मदद मिल सकती है।

साथियों बात अगर हम कार कंपनियां सिर्फ इंजन बदलकर ही लक्ष्य पूरा नहीं करेंगी इसको समझने की करें तो,सीएएफई-3 में ईंधन बचाने वाली विभिन्न तकनीकों को भी मान्यता दी गई है। इनमें बेहतर कांच, सूर्य की गर्मी को कम करने वाली तकनीक और अधिक दक्ष वातानुकूलन जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। इसका मतलब यह है कि भविष्य की कार में केवल इंजन या बैटरी ही महत्वपूर्ण नहीं होगी; कार की पूरी बनावट और उसमें इस्तेमाल होने वाली तकनीक भी ईंधन बचाने में भूमिका निभाएगी। सरकार ने मान्यता प्राप्त ईंधन-बचत तकनीकों की संख्या बढ़ाकर 12 की है और पात्र तकनीकों के माध्यम से उत्सर्जन गणना में निर्धारित लाभ दिया जा सकता है, जिसकी कुल सीमा 9 ग्राम कार्बन डाइऑक्साइड प्रति किलोमीटर तक है।

साथियों बात अगर हम यात्री वाहनों,कार के वजन का भी नियम में महत्वपूर्ण स्थान है इसको समझने की करें तो, नए नियमों में कार के वजन को भी ध्यान में रखा गया है। हल्के और भारी वाहनों के लिए लक्ष्य एक जैसा नहीं रखा जाता, क्योंकि भारी वाहन

को चलाने में सामान्यतः अधिक ऊर्जा की जरूरत पड़ती है।इसी कारण सीएएफई -3 में औसत वाहन वजन से जुड़ी गणना को नए तरीके से व्यवस्थित किया गया है। शुरुआती मसौदे में छोटे और हल्के वाहनों के लिए अलग रियायतों की चर्चा थी, लेकिन अंतिम व्यवस्था में छोटे पेट्रोल वाहनों के लिए प्रस्तावित विशेष छूट को बरकरार नहीं रखा गया। इसका अर्थ यह है कि केवल छोटी कार होने के आधार पर निर्माता को अलग से आसान रास्ता नहीं मिलेगा; उसे अपने पूरे वाहन समूह के औसत प्रदर्शन को सटीकता से सुधारना होगा।

साथियों बात अगर हम यदि कोई कंपनी लक्ष्य पूरा नहीं कर पाई तो क्या होगा? इसको समझने की करें तो सरकार ने इसके लिए भी लचीली व्यवस्था बनाई है। जो निर्माता निर्धारित लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन करेगा, वह क्रेडिट अर्जित कर सकता है।वहीं किसी निर्माता की कमी होने पर वह उपलब्ध नियमों के अनुसार पिछले क्रेडिट का उपयोग कर सकता है, अन्य निर्माताओं के साथ क्रेडिट का लेन-देन कर सकता है या ऊर्जा दक्षता ब्यूरो की व्यवस्था के माध्यम से आवश्यक क्रेडिट खरीद सकता है।इसका उद्देश्य कंपनियों को एक झटके में दंडित करने के बजाय उन्हें तकनीकी बदलाव के लिए व्यावहारिक रास्ता देना है, जबकि लक्ष्य पूरा करने की जिम्मेदारी भी बनी रहेगी।

साथियों बात अगर हम आम नागरिक को आखिर क्या फायदा होगा? इसको समझने की करें तो, इस पूरे नियम का अंतिम उद्देश्य केवल कार कंपनियों के आंकड़े सुधारना नहीं है।इसका असर लंबे समय में ईंधन खर्च, प्रदूषण, तेल आयात और ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ सकता है। यदि नई कारें औसतन कम ईंधन में समान दूरी तय करने लगती हैं, तो वाहन उपयोगकर्ताओं के लिए ईंधन की खपत घटने की संभावना बढ़ेगी।इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड विकल्पों की संख्या बढ़ने से उपभोक्ताओं के सामने तकनीक के अधिक विकल्प भी आ सकते हैं।साथ ही कम कार्बन उत्सर्जन का अर्थ शहरों और राजमार्गों पर परिवहन से होने वाले पर्यावरणीय दबाव को कम करने की दिशा में आगे बढ़ना है। हालांकि किसी व्यक्ति की वास्तविक बचत इस बात पर निर्भर करेगी कि वह कौन-सी

कार खरीदता है, उसका ईंधन खर्च कितना है, वह कितनी दूरी चलाता है और वाहन की कीमत क्या है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यात्री वाहनों कार उद्योग के लिए नया लक्ष्य, उपभोक्ता के लिए बदलता बाजार,सीएएफई-3 को इसलिए केवल माइलेज का नया नियम समझना अधूरा होगा। यह वास्तव में भारत के यात्री वाहन बाजार को अगले पांच वर्षों में कम ईंधन खपत, कम कार्बन उत्सर्जन और अधिक स्वच्छ वाहन तकनीक की दिशा में ले जाने वाला नियामकीय ढांचा है। 1 अप्रैल 2027 से शुरू होने वाली यह व्यवस्था कंपनियों को इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड, प्लेक्स- फ्यूल और ईंधन- बचत तकनीकों में निवेश करने के लिए प्रेरित करेगी, जबकि उपभोक्ताओं के सामने धीरे-धीरे अधिक तकनीकी विकल्प आने की संभावना है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार ने केवल एक तकनीक पर निर्भर रहने के बजाय कई रास्ते खुले रखे हैं। इसलिए आने वाले वर्षों में भारतीय कार बाजार का मुकाबला केवल कौन-सी कार ज्यादा ताकतवर है तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कौन-सी कार कम ऊर्जा में बेहतर काम करती है, कम प्रदूषण करती है और उपभोक्ता के लिए व्यावहारिक विकल्प देती है, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण होगा।

लेखक



एडवोकेट किशन भावनानी गोंदिया



दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

खुशी में रहता हूं..

ग़म हज़ारों हैं, मगर मैं खुशी में रहता हूँ, कौन कहता है कि मैं बेबसी में रहता हूँ।

क्या ज़रूरत है मुझे और कहीं रहने की, माँ के पैरों में है जन्नत, उसी में रहता हूँ।

किसी कमसिन गुलाबी लबों ने छूकर के, मुझसे बोला है कि मैं दिल्ली में रहता हूँ।

लेखक



संतोष सिंह नैकाने, गोंदिया महाराष्ट्र

मुझको दुनिया की निगाहों की नहीं परवाह अब, हूँ मैं बेखुद कि अपनी बेखुदी में रहता हूँ।

मुझको ऐतबार नहीं है किसी दिखावे में, सीधा-सादा हूँ कि मैं सादगी में रहता हूँ।

बुन्देली चौकडियाँ..

आई औ चलीं गई मौसों,
जे उरदन की कौसों।
घेर घेर छा गव अँदयारो,
बादर दै रव धौसों।
खूब झमाझम बरसौ पानूँ,
मेघ बरस रय रौसों।
बैठे बैठे मन खों मारें,
रै गय नन्द मसौसों।

ओजू अबै अपुन का करबूँ,
इनें सुकाबे धरबूँ।
बीज बिजाडौ कडबै ऊसें,
सूके गडा जे भरबूँ।
दार बना उरदन की खालें,
खाबे नई तरसबूँ
रुखी सूखी खाकें अपनों,
नन्द कबहुँ ना लरबूँ।

रामानन्द पाठक नन्द

हमको मन की शक्ति देना..

हमको मन की शक्ति देना,
मन संकल्प हम करें।
विद्या के है रंग भरकर
आत्मनिर्भर हम बनें।

देश सेवा में ऐ तन,
मन से है बढ़े।
नेक राह में कदम,
हरदम चल पड़े 77

दौर है हम गौर करें,
रंग स्वनिर्भरता का भरे।
हमको मन की शक्ति..

लेखक



प्रकृति अनुरागी बीउपावंशी

यदि आप प्रतिदिन दैनिक समाचार पत्र प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया मो. 9329033433 पर संपर्क करें।

शब्दवर्गपहेली क्र.- 287

1	2	3	4		5		6	7	8		9	10	11		12	13		14
15							16					17						
					18		19				20					21		
22	23	24		25			26	27				28				29	30	
31					32		33		34		35		36			37		38
39				40	41				42		43					44		45
	46	47							48	49					50			
					51				52					53		54		55
56			57				58				59	60				61		62
					63		64				65			66	67		68	69
70	71						72	73		74		75		76				
77			78					79	80					81			82	83
84												86	87		88		89	
							91					92	93	94			95	
96		97					98		99		100		101			102	103	104
105					106						107					108		109

ck; i l nk; :- 1) लंगड़ा – लूला 5) मैला 7) एक दुसरे को समझ 12) के संबंध में 15) पीले रंग का एक खनिज पदार्थ 16) गुजरात का एक बड़ा शहर 17) रसिक होने का भाव 19) अजीर्ण 20) कहना 21) दरवाजा22) दबाव 24) घाव पर लगाया जानेवाला औष 1) युक्त लेप 26) प्रेमिका 28) अगर 29) उत्तर प्रदेश का एक जिला मुख्यालय 31) राजा 32) दक्षिण भारत के एक पहाड़ का नाम 34) हुनर 36) पतन 37) जूट 39) एक श्वास रोग 40) स्व. जवाहरलाल नेहरूजी की पत्नी 43) सुध 44) सरकारी शूल्क, हाथ 45) जो बसा न हो 46) लज्जित होना 48) बिहार की राजधानी 50) बहस 51) पीड़ा 52) चकित 53) श्रीविष्णुजी के दशवतारों में से एक 54) व्यंग, चुमती बात 55) पुत्र 56) चन्द्रमा,

उल्लू 58) आंचल 59) कामदेव 62) जिसे दोनों आंखोंसे दिखाई न देता हो 63) एक मंगल वाद्य 65) विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल 66) पुलिस या जासूसद्वारा चोरी, हत्या आदि का पता लगाने के लिए एएसू जांच पड़ताल करना 70) घमंड लिये हुए गुस्से की झोंक, कागज की एक शीट 72) करुणा 75) बोझ ढोनेवाला 77) जीवन में घटित घटनाओं का विस्तृत वर्णन 79) मेलजोल रखनेवाला 81) धनी, पैसेवाला 82) वेश्या 84) स्वेच्छापूर्वक 85) लक्षणिक दृष्टि से इज्जतदार 86) पेड़ का घड़ 88) करनेवाला अर्थ का एक प्रत्यय 89) अशिष्ट 91) ईसाई साध्वी (अंग्रेजी) 93) मिथ्या भ्रम 95) पुष्प रज 97) सारी जिम्मेदारी 99) पहरा देनेवाला सिपाही, दारपाल 101) कृति, लेख आदि 102) सहायता करनेवाला 105) हवा

का झोंका 106) नाना का घर, ननिहाल 107) बहानेबाजी करना अर्थवाला एक मुहावरा 108) धीमा 109) पुरातन काल के एक ऋषि Aij l ulp; l& 1) गुजरात का एक प्रमुख शहर 2) दूसरी ओर का किनारा 3) हित के लिये 4) पानी 5) बास, महक 6) छेने की एक मिठाई 7) क्रोडित होना अर्थवाला एक मुहावरा 8) बार 9) वागपासी के समीप का बौद्धों का एक तीर्थस्थान 10) रसाही 11) अच्छी नियतवाला 13) न्यायकर्ताद्वारा दूसरों को न देकर स्वयं ही हड़पने की क्रिया इस अर्थ का एक शब्द प्रयोग 14) विवाह विच्छेद 16) किसी मंत्र का धीरे धीरे लगातार उच्चारण, जप 18) तस्कर, शर्विलक 19) महाराष्ट्र का एक जिला मुख्यालय 23) दुष्ट, दुराचारी 24) सरकारी विभाग 25) आक्रमण 27) अधिकार 30) गुलामी 33) वह का विरुद्धार्थी शब्द 35) मल्ल 36) रामविलास एक राजनीतिक दल के शीर्ष नेता का कुलनाम 37) पतंगा 38) नाजुकपन 41) रोकना 42) सुंदर 44) काव्य 47) चन्द्रमा 49) स्थिर दृष्टि 52) शांति 55) संशोधन 56) घुमक्कड़ 57) चहकना, चिड़ियोंद्वारा मधुर ध्वनि निकालना 59) वेद व्यास रचित एक महाकाव्य 60) दीवार में पड़नेवाली लकीर 61) बकाया 62) गणित की एक किस्म 64) मुसलमानों का एक त्यौहार 66) खलबली मचना 67) पात्र, अधिकार रखनेवाला 68) काम 69) ढिगना 71) उलटी 73) रात 74) कला 76) पत्नी 78) मेहराबदार 80) लादने की क्रिया 82) पुलकित 83) कामुक, व्यभिचारी 85) पान की तश्तरी 87) किशती 89) पुलिसद्वारा किसी अभियुक्त के घर से माल की प्राप्ति 90) किंवदंती, कोलाहल 91) नमस्कार 92) प्रतिष्ठा 94) चुपना 96) तृष्णा 98) पृथ्वी 100) तरीका 103) घोखा 104) कपोल (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

ता	रे	नि	ना		अ	प	ना	प	न		प्र	मा	ण	प	त्र	का	टा	
बे		र	थ	च	क्र		वि	र	ह		दा	मा	द		रि	ब	च	प
दा	हि	ना			ना	म	मा	त्र		ना	म		द		प्र	चा	र	क
र		र	वा			ब	ल		दि	वा	क	र		अ		रि	ना	दा
	मा		सु	बु	द्ध		सु	खा	र					प्र	ति	का	र	ट
बा	ली		दे			प	र	वा	ना		प्र	ग	ति			छु	मा	जी
ल		भ	व	दी	य		मि	का	र	ण		म	जा		वं		र	
ब्र	ह्मा	ड		ना	श	क			ज	य	श्री		त	ला	श	ले	ना	पा
ह्र		भू	ज	ना		नि		अ	नी		का	त	वा		ना		मा	ल
चा		जा		थ	र	थ	श	ह	ट		प	त	वा	र		नि	स	मा
री	वा		न			मा	ला	मा	ल	हो	ना		य		स	ना	त	न
	न	ज	र	ल	ग	ना		म		ह	फ	रि	या	द		स	ब्रा	टा
ठा	र		क		रु	दि	खा	व	टी		सी		म	ना		पा	नी	ल
ट		न	भो	मं	ड	ल		ना		का		दा		झि		ना	क	प्रे
बा	जू		ग	दा		क	ध		सं	ग	न	म	त		शा	म		टो
ट	मी	ना	र		न	म	की	न		त	र	ल		न	ह	ला		शू



वैश्विक स्तर पर ब्याज दरें बढ़ने से चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही होगी चुनौतीपूर्ण: नागेश्वरन

नई दिल्ली, (भाषा)।
मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने बुधवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही चुनौतीपूर्ण रहने वाली है क्योंकि वैश्विक आर्थिक वृद्धि के लिए जोखिम बढ़ गए हैं और दुनियाभर में ब्याज दरें बढ़ रही हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि 'भरोसेमंद आंकड़ों' पर आधारित है और यह 'हवा में से नहीं आई है।' उन्होंने कहा कि जीएसटी संग्रह, ऋणा वृद्धि और निर्यात आंकड़ों सहित महत्वपूर्ण आंकड़े जुलाई-अगस्त के दौरान भी अर्थव्यवस्था में जारी मजबूती का संकेत दे रहे हैं।

नागेश्वरन ने कहा, 'ये सभी आंकड़े पहली तिमाही में काफी मजबूत जीडीपी वृद्धि की ओर इशारा कर रहे थे। कुछ हद तक यह कहा जा सकता है कि इसमें 0.3 से 0.4 प्रतिशत अंक नई दोहरी अपस्फीति पद्धति यानी कीमतों में

बदलाव को दो स्तर पर समायोजित करने की प्रणाली आदि के कारण आए होंगे, क्योंकि आयात कीमतों में काफी अधिक वृद्धि हुई।'

चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही, जो भारतीय रिजर्व बैंक के सात प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। कुछ आलोचकों ने पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़े पर सवाल उठाते हुए कहा था कि यह अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति को नहीं दर्शाता है।

नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी रिन्यू के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमंत सिन्हा के साथ बातचीत में नागेश्वरन ने कहा कि बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों के कारण सितंबर एक मुश्किल महीना रहा है।

उन्होंने कहा, 'लेकिन जुलाई-अगस्त के आंकड़ों के आधार पर हम करीब 7.3 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि देख रहे हैं। इसलिए ऐसा नहीं है कि जून तिमाही की 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि हवा में से आई है।'

नागेश्वरन ने कहा कि साल की दूसरी छमाही चुनौतीपूर्ण रहने वाली है। इस महीने भारतीय

कच्चे तेल के लिए ईंधन की आयातित लागत 117 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि जून-अगस्त में यह 80-85 डॉलर प्रति बैरल थी।

उन्होंने कहा, 'इसलिए दूसरी छमाही में क्या होता है, इसके लिए हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा।' नागेश्वरन ने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती से बनी घरेलू अर्थव्यवस्था की गति अब भी कायम है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह 'चुनौतीपूर्ण माहौल' है क्योंकि दुनियाभर के साथ-साथ भारत में भी ब्याज दरें बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि फ्लिहाल मुद्रास्फीति 4.3 प्रतिशत है, जो रिजर्व बैंक के दो से छह प्रतिशत के दायरे में है। नागेश्वरन ने कहा, 'क्या इसके लिए ब्याज दर में बदलाव की जरूरत है या नहीं, यह रिजर्व बैंक को तय करना है। वह निश्चित रूप से यह देखेगा कि इसका असर केवल खाद्य और ऊर्जा कीमतों तक सीमित है या व्यापक स्तर पर है।' नागेश्वरन ने कहा कि देश की वृद्धि और आर्थिक मजबूती का श्रेय काफी हद तक 2014 में लागू किए गए सुधारों को जाता है, लेकिन इन सुधारों के परिणाम सामने आने में कुछ समय लगता है।

नए सीएएफई मानक जारी, पांच साल में ईंधन दक्षता 16.7 प्रतिशत सुधारने का लक्ष्य

नई दिल्ली, (भाषा)।
सरकार ने यात्री वाहन विनिर्माताओं के लिए सीएएफई-3 के कड़े ईंधन दक्षता मानक अधिसूचित किए हैं, जिनका लक्ष्य पांच साल में वाहनों की औसत ईंधन खपत में 16.7 प्रतिशत सुधार करना है।

इसके लिए वाहन कंपनियों को इलेक्ट्रिक वाहन, हाइब्रिड, वैकल्पिक ईंधन और ईंधन बचाने वाली प्रौद्योगिकियों के जरिये लक्ष्य हासिल करने के अधिक विकल्प भी दिए गए हैं।

बिजली मंत्रालय की तरफसे अधिसूचित नए 'कॉरपोरेट औसत ईंधन अर्थव्यवस्था' (सीएएफई-3) मानक एक अप्रैल, 2027 से लागू होंगे और 31 मार्च, 2032 तक प्रभावी रहेंगे। इसके तहत औसत ईंधन खपत का मानक 2027-28 में 3.996 लीटर प्रति 100 किलोमीटर से घटकर 2031-32 में 3.327 लीटर प्रति 100 किलोमीटर हो जाएगा।

नए ईंधन दक्षता मानक मौजूदा सीएएफई व्यवस्था की जगह लेंगे। इनमें वाहनों के औसत वजन को भी अधिक महत्व दिया गया है। संदर्भ वाहन का वजन मौजूदा 1,082 किलोग्राम से बढ़ाकर 1,229 किलोग्राम कर दिया गया है। इससे हल्के वाहनों के लिए अपेक्षाकृत नरम लक्ष्य और भारी वाहनों के लिए अधिक ईंधन दक्षता सुधार की जरूरत होगी।

नए मानकों के तहत इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों को कंपनी के औसत ईंधन दक्षता लक्ष्य की गणना में उनकी वास्तविक संख्या से अधिक भार दिया जाएगा। इसके तहत बैटरी इलेक्ट्रिक और रेंज एक्सटेंडेड इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 3.0, प्लग-इन हाइब्रिड और फ्लेक्स-फ्यूल एथनॉल

आधारित मजबूत हाइब्रिड वाहनों के लिए 2.5, मजबूत हाइब्रिड वाहनों के लिए 1.6 और फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए 1.1 का गुणक तय किया गया है। मसलन, 3.0 के गुणक के तहत एक बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन को अनुपालन गणना में तीन वाहनों के बराबर माना जाएगा।

मानकों में ईंधन बचाने वाली मान्य प्रौद्योगिकियों की संख्या भी चार से बढ़ाकर 12 कर दी गई है। प्रत्येक पात्र प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) उत्सर्जन में एक ग्राम प्रति किलोमीटर की कमी का लाभ मिलेगा, हालांकि इसकी अधिकतम सीमा नौ ग्राम प्रति किलोमीटर होगी। इनमें स्टार्ट-स्टॉप प्रणाली, टायर प्रेशर निगरानी, रीजनरेटिव ब्रेकिंग, अधिक दक्षता वाले अल्टरनेटर, माइक्रो-हाइब्रिड प्रणाली और एलईडी लाइटिंग जैसी प्रौद्योगिकी शामिल हैं।

वैकल्पिक ईंधन से चलने वाले वाहनों को भी सीएएफई-3 के तहत कार्बन निरपेक्षता घटक के जरिये अनुपालन में अतिरिक्त लाभ मिलेगा। इसके तहत ई20 या इससे अधिक एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल से चलने वाले वाहनों के टेलपाइप सीओ2 उत्सर्जन पर आठ प्रतिशत का कार्बन निरपेक्षता घटक लागू होगा। फ्लेक्स-फ्यूल एथनॉल वाहनों के लिए यह घटक 22.3 प्रतिशत होगा। सीएनजी वाहनों के मामले में पांच प्रतिशत या अधिसूचित सीबीजी मिश्रण के प्रतिशत, जो भी अधिक हो, का

कार्बन तटस्थता घटक लागू होगा। लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियां अनुपालन क्रेडिट अर्जित कर सकेंगी, जबकि लक्ष्य से पीछे रहने पर डेबिट जमा होगा। क्रेडिट को संबंधित अनुपालन अवधि में आगे ले जाने के साथ कंपनियों के बीच उनका कारोबार या विनिमय किया जा सकेगा। कंपनियां ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) से भी क्रेडिट खरीदकर डेबिट की भरपाई कर सकेंगी। नए नियमों के अनुपालन की पहली अवधि वित्त वर्ष 2027-28 से तीन साल की होगी, जबकि दूसरी अवधि वित्त वर्ष 2030-31 से दो साल की होगी। किसी भी अवधि के अंत में निपटान नहीं किए गए क्रेडिट समाप्त हो जाएंगे।

अप्रैल, 2027 से वाहन कंपनियों को संशोधित भारतीय ड्राइविंग चक्र (एमआईडीसी) और विश्व स्तर पर सामंजस्यपूर्ण हल्के वाहनों की परीक्षण प्रक्रिया (डब्ल्यूएलटीपी) दोनों के तहत वाहनों के प्रदर्शन की जानकारी देनी होगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय वाहनों के परीक्षण, प्रमाणन और रिपोर्टिंग से जुड़ी व्यवस्था की निगरानी करेगा, जबकि बीईई क्रेडिट और अनुपालन ढांचे का संचालन करेगा।

सरकार ने कहा कि इन मानकों को वाहन कंपनियों, उद्योग संगठनों, शिक्षाविदों और अन्य हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया है। इसका उद्देश्य भारत में जीवाश्म ईंधन की खपत कम करने के साथ इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड, एथनॉल और अन्य स्वच्छ वाहन प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना है।

एक हजार से कम पात्र वाहनों का सालाना उत्पादन या आयात करने वाली कंपनियां किसी विशिष्ट औसत ईंधन दक्षता लक्ष्य को पूरा करने से मुक्त रहेंगी। हालांकि, उन्हें ईंधन खपत से जुड़े आंकड़ों की जानकारी देनी होगी।

प्रमुख आर्थिक संकेतकों में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई।

इस क्षेत्र में प्रतिष्ठानों की कुल संख्या बढ़कर 2024-25 में 2.67 लाख हो गई जो 2023-24 में 2.60 लाख थी। प्रतिष्ठानों की सबसे अधिक संख्या तमिलनाडु में 41,221 रही। इसके बाद गुजरात (33,084) और महाराष्ट्र (27,379) का स्थान रहा।

इसी अवधि में सकल मूल्यवर्धन 9.59 प्रतिशत बढ़कर 2,694.2 हजार करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले 2,458.3 हजार करोड़ रुपये था।

राज्यों की हिस्सेदारी के लिहाज से 2024-25 में विनिर्माण क्षेत्र के सकल मूल्यवर्धन में महाराष्ट्र सबसे आगे रहा। इसके बाद गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश का स्थान रहा। इन पांच राज्यों ने मिलकर देश के कुल विनिर्माण जीवीए में 54 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया।

देशभर के कुल प्रतिष्ठानों में भी इन पांच राज्यों की हिस्सेदारी 53.30 प्रतिशत रही। सर्वेक्षण के अनुसार उत्तर प्रदेश, मोटर वाहन, रसायन एवं रासायनिक उत्पाद, औषधि उत्पाद और खाद्य उत्पाद पांच प्रमुख उद्योग रहे। इन सभी ने मिलकर 2024-25 में देश के कुल विनिर्माण जीवीए में 45 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया।

ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स समेत अन्य संगठन प्रस्तावित 'नो यूपीआई डे' में नहीं होंगे शामिल..

नई दिल्ली, (भाषा)।
ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन और अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्पाद वितरक महासंघ समेत अन्य संगठनों ने बुधवार को दो अक्टूबर को प्रस्तावित 'नो यूपीआई डे' में शामिल नहीं होने की घोषणा की।

'कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने एक बयान में यह जानकारी दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात

करने के बाद संगठनों ने यह निर्णय लिया। इससे पहले परंपरागत खुदरा और छोटे कारोबारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले अखिल भारतीय व्यापार मंडल महासंघ (एफआईवीएम) ने भी कहा कि वह दो अक्टूबर को प्रस्तावित 'नो यूपीआई डे' आंदोलन में शामिल नहीं होगा।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने 15 अक्टूबर से कारोबारियों को किए जाने वाले 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू किया है। वहीं, 75,000 रुपये या इससे अधिक के भुगतान पर यह शुल्क अधिकतम 300 रुपये होगा। यह शुल्क कारोबारी को देना होगा जबकि व्यक्ति-से-व्यक्ति लेनदेन और छोटे भुगतान को शुल्क से बाहर रखा



गया है। कैट के बयान के अनुसार, देश के विभिन्न राज्यों के लगभग 20 वरिष्ठ व्यापारिक नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने कैट के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण खंडेलवाल के नेतृत्व में बुधवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और उन्हें 2,000 से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत एमडीआर के संबंध में व्यापारिक समुदाय की चिंताओं से अवगत कराया। चांदनी चौक से भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) सांसद खंडेलवाल ने बयान में कहा, 'वित्त मंत्री के साथ हुई सकारात्मक चर्चां तथा व्यापारिक संगठनों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर समुचित विचार किए जाने के आश्वासन के बाद अखिल भारतीय लेनदेन और छोटे भुगतान को शुल्क से बाहर रखा गया'। कैट के बयान के अनुसार, देश के विभिन्न राज्यों के लगभग 20 वरिष्ठ व्यापारिक नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने कैट के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण खंडेलवाल के नेतृत्व में बुधवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और उन्हें 2,000 से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत एमडीआर के संबंध में व्यापारिक समुदाय की चिंताओं से अवगत कराया। चांदनी चौक से भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) सांसद खंडेलवाल ने बयान में कहा, 'वित्त मंत्री के साथ हुई सकारात्मक चर्चां तथा व्यापारिक संगठनों द्वारा उठाई गई चिंताओं पर समुचित विचार किए जाने के आश्वासन के बाद अखिल भारतीय लेनदेन और छोटे भुगतान को शुल्क से बाहर रखा

(एआईसीपीडीएफ) और ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन (एआईएमआरए) ने दो अक्टूबर, 2026 को प्रस्तावित 'नो यूपीआई डे' के आह्वान को वापस लेने का निर्णय लिया है।'

इससे पूर्व एआईसीपीडीएफ के अध्यक्ष धैर्यशील पाटिल तथा एआईएमआरए के चेयरमैन कैलाश लखानी ने एमडीआर के कारण विशेष रूप से छोटे एवं मझोले व्यापारियों पर पड़ने वाले संभावित आर्थिक प्रभावों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान की बढ़ती गति और लोकप्रियता को बनाए रखना आवश्यक है,

लेकिन इसके साथ-साथ यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि व्यापारियों पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ न डाला जाए।

इससे पहले, एआईएमआरए ने 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत एमडीआर के विरोध में दो अक्टूबर को 'नो यूपीआई डे' प्रदर्शन का आह्वान करते हुए कहा था कि इस शुल्क से छोटे खुदरा विक्रेताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। वित्त मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि सरकार डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सभी हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध है। प्रतिनिधिमंडल में कई व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे।

फ़िसिल ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर सात प्रतिशत किया

नई दिल्ली, (भाषा)।
घरेलू रेटिंग एजेंसी फ़िसिल ने बुधवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए देश की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया। इससे पहले, उसने 6.6 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया था।



एजेंसी ने यह संशोधन अप्रैल-सितंबर की पहली छमाही में मजबूत आर्थिक वृद्धि की उम्मीद को देखते हुए किया है। फ़िसिल के मुख्य अर्थशास्त्री डी.के. जोशी ने कहा कि पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ पहली छमाही में मजबूत आर्थिक वृद्धि की उम्मीद को देखते हुए वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाया गया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है। हमें उम्मीद है कि पहली छमाही में तेज वृद्धि होगी, जबकि दूसरी छमाही में वृद्धि की रफ्तार धीमी होगी।'

जोशी ने कहा कि वृद्धि के अनुमान में वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान कच्चे तेल की औसत कीमत 87-93 डॉलर प्रति बैरल मानी गई है, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 70 डॉलर प्रति बैरल थी। उन्होंने कहा कि दूसरा प्रमुख कारक मानसून होगा। फ्लिहाल मानसून दीर्घकालिक औसत से 12 प्रतिशत कम है और इसका असर सर्दियों की फसल पर भी पड़ सकता है। जलाशयों में पानी का स्तर और मिट्टी में नमी की स्थिति रबी फसल को प्रभावित करेगी, जिसका असर आर्थिक वृद्धि पर भी पड़ सकता है।

जोशी ने रुपये के बारे में कहा कि भारतीय मुद्रा अपने उचित मूल्य से नीचे है और मार्च, 2027 तक डॉलर के मुकाबले यह 93.5 रुपया तक जा सकता है। उन्होंने कहा कि रुपये में पहले भी गिरावट के दौर के बाद मजबूती देखी गई है। एजेंसी की उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक अक्टूबर और दिसंबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में 0.25-0.25 प्रतिशत अंक की

वृद्धि कर सकता है। हालांकि, इससे निजी क्षेत्र के पूंजी निवेश पर असर पड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि कंपनियों के पास पर्याप्त नकदी है और उनकी देनदारियां कम हुई हैं। जोशी ने कहा कि आरबीआई आगे भी व्यवस्था में अतिरिक्त नकदी को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न उपायों का उपयोग करता रहेगा। उन्होंने कहा कि वृद्धि की प्रक्रिया को और मजबूत बनाने के लिए कौशल विकास पर ध्यान देने की जरूरत है। कृत्रिम मेधा कुछ कामों को स्वचालित कर सकती है, लेकिन पिछली तकनीकी क्रांतियों की तरह यह नए रोजगार के अवसर भी सृजित कर सकती है।

ओपनएआई ने पेश किए लगातार काम करने वाले एआई एजेंट, सस्ता जीपीटी - 6.1 मॉडल भी जारी..

नई दिल्ली, (भाषा)।
कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ओपनएआई ने मंगलवार को ऐसे एआई एजेंट 'डॉट्स' पेश किए, जो उपयोगकर्ताओं के लक्ष्यों पर लगातार काम कर सकते हैं। कंपनी ने इसके साथ चैटजीपीटी, कोडेक्स, एआई मॉडल और डेवलपर मंच से जुड़े 20 से अधिक अपडेट की भी घोषणा की।

कंपनी के मुताबिक, जीपीटी-6 एस्ट्रा मॉडल से संचालित ये एजेंट अपने क्लाउड कंप्यूटर पर काम करते हैं और उपयोगकर्ताओं के लिए 24 घंटे कार्य कर सकते हैं। ये प्लगइन प्रणाली के जरिये 4,000 से अधिक ऐप से जुड़ सकते हैं और उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया के आधार पर समय के साथ उनकी पसंद को भी समझ सकते हैं।

वार्षिक डेवलपर सम्मेलन 'डेवडे' में पेश एआई एजेंट 'डॉट्स' का इस्तेमाल चैटजीपीटी के अलावा स्लैक और माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के जरिये भी किया जा सकेगा। उपयोगकर्ता तय कर सकेंगे कि ये एजेंट अपने स्तर पर कौन-से काम कर सकते हैं। हालांकि, पासवर्ड बदलने जैसे संवेदनशील कार्यों के लिए उपयोगकर्ता की मंजूरी लेनी जरूरी होगी। ओपनएआई ने कंपनियों के लिए खरीद और



चालान प्रसंस्करण जैसे विशिष्ट कार्य करने वाले 'स्पेशलिस्ट डॉट्स' का परीक्षण भी शुरू किया है। कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के साथ इन्हें उसके उद्यम सुरक्षा और प्रशासन संबंधी नियंत्रणों से जोड़ने पर भी काम कर रही है। कंपनी ने इसके साथ जीपीटी-6.1 सोल मॉडल भी पेश किया, जिसे उसने एआई एजेंट के जरिये कोडिंग, कंप्यूटर के इस्तेमाल और पेशेवर कार्यों में जीपीटी-6 एस्ट्रा के प्रदर्शन के करीब बताया है। हालांकि, इस मॉडल की मानक कीमत एस्ट्रा के मुकाबले करीब पांचवां हिस्सा है।

जीपीटी-6.1 सोल की कीमत प्रति 10 लाख इनपुट टोकन दो डॉलर और प्रति 10 लाख आउटपुट टोकन 10 डॉलर है। वहीं, जीपीटी-6 एस्ट्रा के लिए ये दरें क्रमशः 10 डॉलर और 50 डॉलर हैं।

जीपीटी-6.1 सोल चैटजीपीटी वर्क और कोडेक्स में प्लस, प्रो, बिजनेस, एंटरप्राइज और एजुकेशन श्रेणी के उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। डेवलपर इसका इस्तेमाल एपीआई के जरिये भी कर सकते हैं। हालांकि, यह अभी चैटजीपीटी के सामान्य चैट इंटरफेस का हिस्सा नहीं है। डेवलपर के लिए कंपनी ने नए प्लगइन विकल्प पेश करने के साथ एजेंट्स एपीआई में कंप्यूटर इस्तेमाल करने की सुविधा भी जोड़ी है। इससे डेवलपर ऐसे एआई एजेंट बना सकेंगे जो सॉफ्टवेयर के साथ सीधे संवाद कर विभिन्न कार्य पूरे कर सकें।

ओपनएआई ने टीमों के लिए 'चैटजीपीटी स्पेस' भी पेश किया है। इसमें सहकर्मी, चैटजीपीटी और डॉट्स साझा फ़ाइल तथा जानकारी के आधार पर मिलकर काम कर सकेंगे।

उद्योगों में कुल रोजगार 2024-25 में दो करोड़ के पार: सरकारी सर्वेक्षण..

नई दिल्ली, (भाषा)।
उद्योगों में कुल रोजगार का आकड़ा 2024-25 में दो करोड़ के पार पहुंच गया। इसमें मुख्य रूप से विनिर्माण क्षेत्र का योगदान रहा, जिसने 14 लाख से अधिक कामगारों को रोजगार दिया। बुधवार को जारी वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (एएसआई) से यह जानकारी मिली।

एएसआई के अनुसार, उद्योगों में काम करने वाले लोगों की अनुमानित संख्या 2024-25 में 7.19 प्रतिशत बढ़कर 2.10 करोड़ हो गई जो 2023-24 में 1.96 करोड़ थी।

आधिकारिक बयान के अनुसार, पंजीकृत विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार का विस्तार जारी रहा। कामगारों को दिए गए कुल वेतन एवं अन्य पारिश्रमिक में भी 2024-25 में इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 12.08 प्रतिशत की वृद्धि

हुई। सर्वेक्षण के अनुसार, 2024-25 में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार देने के मामले में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश और हरियाणा पांच प्रमुख राज्य रहे। इन राज्यों में मिलकर देश के कुल विनिर्माण रोजगार का करीब 56 प्रतिशत हिस्सा रहा।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने बुधवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एएसआई के परिणाम जारी किए। एएसआई 2024-25 के लिए सर्वेक्षण का क्षेत्रीय काम अक्टूबर, 2025 से जून, 2026 के बीच किया गया।

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विनिर्माण उद्योगों में उत्पादन, मूल्यवर्धन, रोजगार, पूंजी निर्माण और अन्य मानकों के आधार पर उनकी संरचना, वृद्धि और बदलाव की स्थिति की जानकारी देना है।

पंजीकृत विनिर्माण क्षेत्र में 2024-25 के दौरान व्यापक वृद्धि दर्ज की गई। निवेशित पूंजी, कच्चे माल की लागत, उत्पादन, सकल मूल्यवर्धन (जीवीए), रोजगार और मजदूरी जैसे

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा

गुरुवार 01 अक्टूबर 2026

लांजी किरनापुर हट्टा

● भानेगांव ● मोहड़री ● बोलेगांव ● रिसेवाड़ा ● बहेला ● साइरा ● हिर्यी ● रजेगांव

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आयोजित ‘हिंदी पखवाड़ा’ समारोह..

जगप्रेरणा किरनापुर।
दिलीप भट्टे शासकीय महाविद्यालय किरनापुर में राजभाषा हिंदी दिवस के सुअवसर पर दिनांक 14 सितंबर 2026 से 28 सितंबर 2026 तक

‘हिंदी पखवाड़ा’ का भव्य आयोजन किया गया। यह संपूर्ण कार्यक्रम ‘भारतीय ज्ञान परंपरा’ के तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का सफल संयोजन एवं मार्गदर्शन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुनीता जैन तथा भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. पल्लवी रिनाहिते के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की रूपरेखा एवं प्रमुख गतिविधियाँ–

15 सितंबर 2026 शुभारंभ.. हिंदी पखवाड़े का औपचारिक शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस दौरान भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी भाषा के वैश्विक एवं सांस्कृतिक महत्त्व पर प्रकाश डाला गया। 21 सितंबर 2026 निबंध प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी.. विद्यार्थियों की रचनात्मकता और

माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और ज्ञान परंपरा का संवाहक है। उन्होंने विद्यार्थियों को दैनिक जीवन तथा शोध कार्यों में राजभाषा हिंदी के अधिक से अधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. पल्लवी रिनाहिते ने अपने वक्तव्य में भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी भाषा के अंतर्संबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार हमारी पारंपरिक ज्ञान-राशियों को जन-जन तक पहुंचाने में हिंदी भाषा सेतु का कार्य करती है।

संपूर्ण पखवाड़े तथा समापन कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन डॉ. डालेश कुमार विजयवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम का विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं के सफल संचालन में निदेशा बोहरे ने सहयोगी की भूमिका निभाई।

कृतज्ञता ज्ञापन एवं आभार..

इस पूरे आयोजन को गरिमामय एवं संपन्न बनाने में महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक अधिकारियों, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं का सराहनीय एवं विशेष योगदान रहा। अंत में पखवाड़े के समापन की घोषणा की गई।

समारोह के प्रमुख संबोधन..

प्राचार्य डॉ. सुनीता जैन अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि हिंदी केवल अभिव्यक्ति का

लांजी की दिशा और पीयूष का राज्य स्तरीय वॉलीबॉल के लिए चयन, विदिशा में दिखाएंगे खेल प्रतिभा..

जगप्रेरणा लांजी।
प्रतिभा हमेशा अवसर की तलाश में रहती है और सही मार्गदर्शन मिलने पर क्षेत्र का नाम बढ़े मंच तक पहुंचा सकती है। लांजी की प्रतिभाएं अब खेल के मैदान में भी लगातार अपनी पहचान बना रही हैं। शिक्षा, कला और अन्य क्षेत्रों के साथ खेल जगत में भी क्षेत्र के युवा अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर जिले से लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच रहे हैं। इसी कड़ी में शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी लांजी के दो खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में चयनित होकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। स्कूल शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के तहत आयोजित 17 वर्ष आयु वर्ग की संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिताएं नरसिंहपुर एवं जबलपुर में आयोजित हुई थीं। इन प्रतियोगिताओं में भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी लांजी के खिलाड़ियों ने जिले का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बालिका वर्ग में दिशा सतीश घोंगड़े तथा बालक वर्ग में पीयूष चन्दनलाल चोरवाड़े का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। दिशा और पीयूष का चयन इसी प्रतिभा, मेहनत और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। अब दोनों खिलाड़ियों से विदिशा में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है, जहां वे जबलपुर संभाग की ओर से मैदान में उतरेंगे।

जगप्रेरणा लांजी।
प्रतिभा हमेशा अवसर की तलाश में रहती है और सही मार्गदर्शन मिलने पर क्षेत्र का नाम बढ़े मंच तक पहुंचा सकती है। लांजी की प्रतिभाएं अब खेल के मैदान में भी लगातार अपनी पहचान बना रही हैं। शिक्षा, कला और अन्य क्षेत्रों के साथ खेल जगत में भी क्षेत्र के युवा अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर जिले से लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच रहे हैं। इसी कड़ी में शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी लांजी के दो खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में चयनित होकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। स्कूल शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के तहत आयोजित 17 वर्ष आयु वर्ग की संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिताएं नरसिंहपुर एवं जबलपुर में आयोजित हुई थीं। इन प्रतियोगिताओं में भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी लांजी के खिलाड़ियों ने जिले का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बालिका वर्ग में दिशा सतीश घोंगड़े तथा बालक वर्ग में पीयूष चन्दनलाल चोरवाड़े का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। दिशा और पीयूष का चयन इसी प्रतिभा, मेहनत और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। अब दोनों खिलाड़ियों से विदिशा में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है, जहां वे जबलपुर संभाग की ओर से मैदान में उतरेंगे।

जगप्रेरणा लांजी।
प्रतिभा हमेशा अवसर की तलाश में रहती है और सही मार्गदर्शन मिलने पर क्षेत्र का नाम बढ़े मंच तक पहुंचा सकती है। लांजी की प्रतिभाएं अब खेल के मैदान में भी लगातार अपनी पहचान बना रही हैं। शिक्षा, कला और अन्य क्षेत्रों के साथ खेल जगत में भी क्षेत्र के युवा अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर जिले से लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच रहे हैं। इसी कड़ी में शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी लांजी के दो खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में चयनित होकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। स्कूल शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के तहत आयोजित 17 वर्ष आयु वर्ग की संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिताएं नरसिंहपुर एवं जबलपुर में आयोजित हुई थीं। इन प्रतियोगिताओं में भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी लांजी के खिलाड़ियों ने जिले का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बालिका वर्ग में दिशा सतीश घोंगड़े तथा बालक वर्ग में पीयूष चन्दनलाल चोरवाड़े का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। दिशा और पीयूष का चयन इसी प्रतिभा, मेहनत और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। अब दोनों खिलाड़ियों से विदिशा में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है, जहां वे जबलपुर संभाग की ओर से मैदान में उतरेंगे।

शासकीय महाविद्यालय किरनापुर में सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत नमो सेवा अनकही कहानियाँ का मंचन हुआ संपन्न..

जगप्रेरणा किरनापुर।
शासकीय महाविद्यालय किरनापुर में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत नमो सेवा, अनकही कहानियाँ का मंचन कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन संपन्न हुआ। जन अभियान परिषद, बालाघाट तथा नूतन कला निकेतन बालाघाट के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में नूतन कला निकेतन के कलाकारों की सशक्त प्रस्तुति और संवादों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्राध्यापक, जन अभियान परिषद के पदाधिकारी, नूतन कला निकेतन के पदाधिकारी एवं कलाकार तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ मौजूद रहे।

नंदोरा-कड़ता मार्ग पर बना गड्ढा हादसे का खतरा, सड़क के बीच उभरा बड़ा गड्ढा..

जगप्रेरणा लांजी।
लांजी अनुभाग के अंतर्गत ग्राम नंदोरा में नंदोरा चौक से कड़ता मार्ग पर करीब 50 मीटर की दूरी पर बनी पाइप पुलिया इन दिनों दुर्घटना का कारण बन सकती है।

पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा निर्मित यह पुलिया अंदर से पूरी तरह धंस गई है, जिसके चलते सड़क के बीचोबीच बड़ा गड्ढा उभर आया है। मुख्य मार्ग पर बनी इस पुलिया की मौजूदा स्थिति राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बनी हुई है। नंदोरा से कड़ता को जोड़ने वाले इस मार्ग

से प्रतिदिन सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। सड़क के बीच पुलिया के धंसने से बने गड्ढे के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर तेज पत्तार वाहनों और रात के समय यहां दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। समय रहते इसकी मरम्मत नहीं की गई तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों के अनुसार पुलिया के अंदर से धंसने की समस्या सामने आने के बाद भी अब तक इसकी स्थायी मरम्मत नहीं की गई है। सड़क पर उभरा गड्ढा लगातार वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। ग्रामीणों ने

संबंधित विभाग से मौके का निरीक्षण कर पुलिया की स्थिति की जांच करने और जल्द से जल्द इसकी मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग आवागमन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है और रोजाना बड़ी संख्या में वाहन यहां से गुजरते हैं। ऐसे में पुलिया की अनदेखी किसी भी समय गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। विभाग द्वारा समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर पुलिया को दुरुस्त किया जाना जरूरी है, ताकि संभावित हादसे को टाला जा सके।

43 वर्ष 5 दिवस की गौरवपूर्ण सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए डॉ. लक्ष्मीचंद, शिक्षा-साहित्य के क्षेत्र में छोड़ी अमिट छाप

जगप्रेरणा लांजी।
एक शिक्षक की पहचान केवल उसके द्वारा पूरी की गई सेवा अवधि से नहीं होती, बल्कि उन संस्कारों, ज्ञान और विचारों से होती है, जिन्हें वह आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाता है। इसी भावना को अपने सेवकाल में चरितार्थ करने वाले डॉ. लक्ष्मीचंद ने राजभाषा एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 43 वर्ष 5 दिवस की गौरवपूर्ण शासकीय सेवा पूर्ण कर 30 सितंबर 2026 को सेवानिवृत्ति ग्रहण की।

डॉ. लक्ष्मीचंद की सेवायात्रा अध्यापन, साहित्य, शोध, लेखन एवं उच्च शिक्षा प्रशासन के विविध आयामों से समृद्ध रही। अध्ययनकाल में उन्होंने उत्कृष्ट उपलब्धियां अर्जित करते हुए दो गोल्ड मेडल प्राप्त किए। शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में उनकी तीन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत मध्यप्रदेश में उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने 112 ई-कंटेंट एवं 2 लाइव वीडियो तैयार किए। इसके साथ ही विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में उनके लेख प्रकाशित हुए तथा उन्होंने संपादक एवं समीक्षक के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शोध एवं भाषा अध्ययन में भी उल्लेखनीय योगदान..

शोध के क्षेत्र में डॉ. लक्ष्मीचंद ने तीन शोधार्थियों का पीएच.डी. शोध निर्देशन किया। उन्होंने जनजातीय वर्ग के मवासी समुदाय के भाषाई अध्ययन के माध्यम से भाषा, समाज एवं संस्कृति के संबंधों को समझने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य किया। राजभाषा और साहित्य के प्रति उनकी निरंतर साधना उनके व्यक्तित्व की विशिष्ट पहचान रही है।

उच्च शिक्षा प्रशासन में निभाई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां..

डॉ. लक्ष्मीचंद ने अध्यापन के साथ-साथ उच्च शिक्षा प्रशासन में भी अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया। वे राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा के कला एवं विधि संकाय के अधिष्ठाता (डीन) तथा मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे।

इसके अलावा देवरी (सागर), पांडुना, बालाघाट, चांद, उमरानाला एवं छिंदवाड़ा के महाविद्यालयों में अध्यापन एवं प्रशासनिक सेवाएं

प्रदान कीं। सेवकाल के अंतिम चरण में उन्होंने प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़एक्सीलेंस, छिंदवाड़ा के प्राचार्य के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया।

विद्यार्थियों को केवल पढ़ाया नहीं, जीवन की दिशा भी दी..

डॉ. लक्ष्मीचंद के व्यक्तित्व का सबसे प्रभावशाली पक्ष उनके विद्यार्थी रहे हैं। उनके सानिध्य में विद्यार्थियों एवं सहकर्मियों ने भाषा को केवल पाठ्यक्रम का विषय नहीं, बल्कि चिंतन, अभिव्यक्ति और जीवन-मूल्यों से जुड़ी जीवंत शक्ति के रूप में समझा। उनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से अनेक विद्यार्थियों ने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त की। आज उनके विद्यार्थी जब अपने-अपने क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं, तो वे अपने गुरु के योगदान को सम्मान और कृतज्ञता के साथ स्मरण करते हैं। किसी शिक्षक के लिए इससे बड़ी उपलब्धि और क्या हो सकती है कि उसके विद्यार्थी उसकी ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाएं।

दीना जी बाबा के परिवार में हुआ जन्म..

डॉ. लक्ष्मीचंद बड़घैया का जन्म 30 सितंबर 1962 को लांजी क्षेत्र के ग्राम कोचेवाही (रामटोला) में दीना जी बाबा के परिवार में हुआ। उनके पिता भैयाराम बड़घैया कृषक थे, जबकि माता श्रीमती अन्नपूर्णा देवी भी कृषक परिवार से थीं। सामान्य ग्रामीण परिवेश से निकलकर डॉ. लक्ष्मीचंद ने शिक्षा को अपना जीवन-ध्येय बनाया और अपनी प्रतिभा एवं परिश्रम के बल पर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट मुकाम हासिल किया।

छह भाइयों एवं एक बहन वाले परिवार में पले-बढ़े डॉ. लक्ष्मीचंद ने अपने परिवार की शिक्षा एवं

एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट के रसायन शास्त्र विभाग में सहायक प्राध्यापक हैं।उनकी बहन श्रीमती लक्ष्मी देवी देवगढ़े हैं तथा बहनोई श्री निरंजन देवगढ़े सेवानिवृत्त सैनिक हैं।

डॉ. लक्ष्मीचंद की उपलब्धियों से उनका पैतृक क्षेत्र कोचेवाही (रामटोला), लांजी, जिला बालाघाट भी गौरवान्वित है। सोन नदी के किनारे बसे इस छोटे से गांव की माटी से निकलकर उन्होंने शिक्षा, साहित्य और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई।अपनी प्रतिभा, परिश्रम और समर्पण से उन्होंने अपने माता-पिता एवं पूर्वजों का नाम रोशन किया। शिक्षा के प्रति उनके समर्पण का विस्तार उनके परिवार द्वारा संचालित विद्यालय एवं महाविद्यालयों में भी दिखाई देता है, जो ज्ञान, संस्कार और शिक्षा की इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नई पीढ़ी के निर्माण में योगदान दे रहे हैं।

सेवानिवृत्ति पर शुभचिंतकों ने दी मंगलकामनाएँ..

सेवानिवृत्ति के अवसर पर समस्त परिजन, मित्रों, सहकर्मियों, विद्यार्थियों एवं शुभचिंतकों ने डॉ. लक्ष्मीचंद को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सभी ने उनके स्वस्थ, सुखी, समृद्ध एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की। शुभचिंतकों ने कहा कि सेवानिवृत्ति उनके शासकीय दायित्वों का विराम है, ज्ञान-साधना का नहीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. लक्ष्मीचंद अपने अनुभव, लेखन, चिंतन एवं राजभाषा के प्रति समर्पण के माध्यम से भविष्य में भी शिक्षा, साहित्य और समाज को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे।

धान खरीदी पंजीयन में पोर्टल की तकनीकी अड़चन, अंतिम तिथि नजदीक आते ही किसानों की बड़ी चिंता

जगप्रेरणा लांजी।
धान खरीदी का समय नजदीक आते ही लांजी क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ने लगी है। खेतों की गिरदावली पूरी होने के बावजूद कई किसानों का धान खरीदी के लिए पंजीयन नहीं हो पा रहा है। पंजीयन प्रक्रिया में आ रही तकनीकी दिक्कत के कारण किसान परेशान हैं और दूसरी ओर 10 अक्टूबर को पंजीयन की अंतिम तिथि बताई जा रही है। ऐसे में समय पर पंजीयन नहीं होने की स्थिति में किसान अपनी उपज की खरीदी प्रक्रिया को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने अब समस्या के समाधान के लिए कवायद तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार धान खरीदी के लिए किसानों की कृषि भूमि की गिरदावली का कार्य पटवारियों द्वारा पूरा किया जा चुका है। इसके बाद किसानों का पंजीयन संबंधित पोर्टल के माध्यम से किया जाना है, लेकिन पोर्टल में तकनीकी त्रुटि के चलते पंजीयन की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। कई किसान पंजीयन कराने के लिए संबंधित केंद्रों पर पहुंच रहे हैं, लेकिन तकनीकी समस्या के कारण उनका काम पूरा नहीं हो पा रहा है। पटवारियों की ओर से बताया गया है कि उनके स्तर से किसानों की कृषि भूमि की गिरदावली का कार्य पूरा कर लिया गया है। पंजीयन में आ रही परेशानी का कारण उनके स्तर की प्रक्रिया नहीं, बल्कि पोर्टल से संबंधित तकनीकी समस्या बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार सहकारिता विभाग द्वारा इस तकनीकी समस्या को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

समाधान होना जरूरी है, ताकि किसी भी पात्र किसान को केवल तकनीकी अड़चन के कारण परेशानी का सामना न करना पड़े। किसानों की समस्या को देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर भी अब मामले को प्राथमिकता के साथ लिया जा रहा है।

एसडीएम ने बुलाई समीक्षा बैठक

किसानों से पंजीयन नहीं होने संबंधी शिकायतें मिलने के बाद एसडीएम लांजी आदित्य नारायण तिवारी ने मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने तत्काल संबंधित अधिकारियों और प्रभारियों की 1 अक्टूबर को लांजी में समीक्षा बैठक आहूत की है। बैठक में पंजीयन प्रक्रिया में आ रही समस्याओं की जानकारी लेकर उनके निराकरण की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। प्रशासन की इस पहल से उम्मीद जगी है कि बैठक में पंजीयन की वास्तविक स्थिति सामने आएगी और जिन कारणों से किसानों का पंजीयन अटका हुआ है, उन्हें दूर करने के लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जाएगा। यदि समस्या पोर्टल की तकनीकी खामी से जुड़ी है तो सहकारिता विभाग से संपर्क कर उसके सुधार के लिए भी प्रयास किए जाएंगे।

अंतिम तिथि नजदीक होने से बड़ी किसानों की बेचैनी..

किसानों की परेशानी का सबसे बड़ा कारण पंजीयन की समय सीमा है। 10 अक्टूबर को अंतिम तिथि होने के कारण किसानों के पास अब ज्यादा समय नहीं बचा है। यदि तकनीकी समस्या का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो पंजीयन से वंचित रह जाने की आशंका किसानों की चिंता बढ़ा रही है। धान खरीदी के लिए पंजीयन किसान की उपज खरीदी प्रक्रिया की महत्वपूर्ण कड़ी है। ऐसे में पोर्टल की तकनीकी समस्या का जल्द

‘किसानों का धान खरीदी के लिए पंजीयन नहीं हो पाने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए 1 अक्टूबर को सभी संबंधित प्रभारियों की समीक्षा बैठक बुलाई गई है। बैठक में पंजीयन में आ रही समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा। यदि पोर्टल में तकनीकी समस्या सामने आती है तो सहकारिता विभाग से संपर्क कर उसे भी दूर कराने का प्रयास किया जाएगा।’

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें मो. 9329033433

फसल ऋण प्रक्रिया हुई सरल, अब वर्षभर के लिए एक साख सीमा

नए किसान क्रेडिट कार्ड की ऑनलाइन स्वीकृति को लेकर सहकारी बैंक में एक दिवसीय कार्यशाला

जगप्रेरणा बालाघाट।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसानों को फसल ऋण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को और अधिक सरल, सुगम एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अब खरीफ एवं रबी सीजन के लिए अलग-अलग साख सीमा के स्थान पर किसानों को वर्षभर के लिए एक साख सीमा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही नवीन किसान क्रेडिट कार्ड की ICMIS पोर्टल पर ऑनलाइन स्वीकृति की प्रक्रिया भी लागू की जा रही है।

इस नई व्यवस्था की जानकारी बैंक अधिकारियों एवं संस्था प्रबंधकों तक पहुंचाने के लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, बालाघाट मुख्यालय में 29 सितंबर को एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक कुमार सत्यम के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यशाला में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिनव सिंह बघेल, प्रबंधक लेखा पी. जोशी एवं प्रभारी प्रबंधक प्रवास मुख्यालय राजेश नगपुर उपस्थित रहे। जिले की विभिन्न शाखाओं एवं सहकारी



खरीफ-रबी की अलग सीमा के स्थान पर वर्षभर एक साख सीमा

कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर रौनक चैकसे एवं रोहित ढोहरे ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से फसल ऋण की नवीन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के तहत खरीफ एवं रबी के लिए अलग-अलग साख सीमा निर्धारित करने के स्थान पर किसानों को वर्षभर के लिए एक साख सीमा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसके साथ ही नए किसान क्रेडिट कार्ड की स्वीकृति को ICMIS पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किए जाने की प्रक्रिया के बारे में भी प्रशिक्षण दिया गया।

संस्थाओं के शाखा प्रबंधक और संस्था प्रबंधकों ने कार्यशाला में सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित शाखा प्रबंधकों एवं संस्था प्रबंधकों ने नई फसल ऋण प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न प्रश्न

पूछे। मास्टर ट्रेनरों ने सभी प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं को समझाया। कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिनव सिंह बघेल ने कहा कि नई

व्यवस्था से किसानों के लिए फसल ऋण प्रक्रिया अधिक सरल और सुगम होगी। उन्होंने शाखा एवं संस्था प्रबंधकों से कहा कि वर्षभर के लिए एक साख सीमा की नई व्यवस्था के संबंध में जिले के किसानों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि अधिक से अधिक किसान इसका लाभ उठा सकें। कार्यशाला में मुख्य शाखा बालाघाट सहित लामटा, किरनापुर, वारासिबनी, रामपायली, खमरिया, खैरलांजी, भानेगांव, लांजी, साडरा, कटंगी, तिरोड़ी, लालबारा, बैहर, बिरसा, परसवाड़ा एवं डोंगरमाली शाखाओं के शाखा प्रबंधक तथा संबंधित संस्थाओं के प्रबंधक उपस्थित रहे।

किसान क्रेडिट कार्ड दुर्घटना बीमा में जयवंती लिल्हारे को मिली राहत

बीमा कंपनी को 1.50 लाख रुपये चुकाने के आदेश

जगप्रेरणा बालाघाट।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिरोधण आयोग बालाघाट ने किसान क्रेडिट कार्ड दुर्घटना बीमा योजना से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए केयर हेल्थ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, गुरुग्राम हरियाणा को आवेदिका जयवंती लिल्हारे, निवासी खुरसोड़ी को बीमा क्षतिपूर्ति राशि सहित ब्याज एवं अन्य राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने बीमा कंपनी द्वारा क्लेम माना है। वरिष्ठ न्यायिक सदस्य जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिरोधण आयोग बालाघाट श्री महेश कुमार चाण्डक ने बताया कि जयवंती लिल्हारे के पति छतरलाल लिल्हारे ने कृषि ऋण को सुरक्षित रखने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड दुर्घटना बीमा योजना के तहत जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट के माध्यम से केयर हेल्थ इश्योरेंस कंपनी की पॉलिसी ली थी। इसके लिए उन्होंने 18.30 रुपये का प्रीमियम जमा किया था। पॉलिसी के तहत 13 अप्रैल 2021 से 12 अप्रैल 2022 तक 1 लाख 50 हजार रुपये का रफ दुर्घटना बीमा किया गया था। बीमित अवधि के दौरान 24 नवंबर 2021 को छतरलाल लिल्हारे के अचेतन की सड़क दुर्घटना में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। इसके बाद आवेदिका जयवंती लिल्हारे द्वारा बीमा क्लेम के लिए आवश्यक दस्तावेज, पुलिस रिपोर्ट, मर्ग इंटीमेशन सहित अन्य दस्तावेज जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के माध्यम से बीमा कंपनी को प्रस्तुत किए गए। इसके बावजूद बीमा कंपनी ने 29

सितंबर 2022 को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने का आधार बताते हुए बीमा दावा निरस्त कर दिया। इसके बाद आवेदिका ने अपने बीमा क्लेम की राशि प्राप्त करने के लिए जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिरोधण आयोग बालाघाट में प्रकरण प्रस्तुत किया। प्रकरण की सुनवाई के दौरान आयोग के समक्ष यह तथ्य सामने आया कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट द्वारा बीमा क्लेम से संबंधित आवश्यक दस्तावेज समय-समय पर बीमा कंपनी को उपलब्ध कराए गए थे। ऐसे में बीमा कंपनी द्वारा बीमित अवधि में हुई मृत्यु के बावजूद बीमा राशि का भुगतान नहीं करना सेवा में कमी की श्रेणी में माना गया।

आयोग ने बीमा कंपनी को एक माह में भुगतान के लिए निर्देश

जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष उपेंद्र कुमार सोनकर तथा सदस्य डॉ. महेश कुमार चांडक एवं सदस्य हर्षा बिजेवार ढोहरे की बेंच ने आवेदिका जयवंती लिल्हारे के आवेदन को स्वीकार करते हुए बीमा कंपनी को आदेश दिया कि वह एक माह के भीतर 1 लाख 50 हजार रुपये की बीमा क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान करें। इसके साथ ही दावा प्रस्तुति दिनांक 22 अक्टूबर 2024 से भुगतान की तारीख तक 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज भी देना होगा। आयोग ने मानसिक एवं आर्थिक क्षति के लिए 5 हजार रुपये, बीमा क्लेम में विलंब कर सेवा में कमी के लिए 10 हजार रुपये तथा वाद व्यय के रूप में 2 हजार रुपये अतिरिक्त अदा करने के आदेश दिए हैं।

न्यायालय नायब तहसीलदार मजगांव परसवाड़ा तह0 परसवाड़ा जिला बालाघाट म.प्र.

रा.प्र. -0007/ ड-154/26-27

मौजा- कोरजा प.ह.न. 26

रा.नि.म. मजगांव तहसील परसवाड़ा

// सार्वजनिक ईश्टहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक फागुलाल तेकाम पिता घनश्याम तेकाम जाति गोड निवासी ग्राम कोरजा रा.नि.म. मजगांव तहसील परसवाड़ा जिला बालाघाट द्वारा अपने तदी डमारे तेकाम पति गजगु तेकाम जाति गोड निवासी कोरजा कि मृत्यु दिनांक 24/10/2003 को ग्राम कोरजा में सामान्य बिमारी से हो गई है। आवेदक अपने पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि वे निश्चित दिनांक 12/10/2026 को या तो स्वयं, या किसी अभिभावक अथवा प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित हो तथा मृत्यु के संबंध कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 28/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के अधीन जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
मजगांव (परसवाड़ा)

छात्रावास, छात्रवृत्ति और आवास सहायता ने संवारा आदिवासी विद्यार्थी का भविष्य



गोवारी के खिलेश्वर मेरावी का माध्यमिक शिक्षक से सहायक प्राध्यापक गणित तक का सफर

जगप्रेरणा बालाघाट। सीमित आर्थिक संसाधन और ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े विद्यार्थियों के लिए शासन की योजनाएं शिक्षा की राह आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ऐसी ही सफलता की प्रेरक कहानी बिरसा विकासखंड के ग्राम गोवारी निवासी खिलेश्वर मेरावी की है, जिन्होंने शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर अपनी शिक्षा पूरी की और अब माध्यमिक शिक्षक से सहायक प्राध्यापक गणित बनने की उपलब्धि हासिल की है।

खिलेश्वर मेरावी बताते हैं कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा शासकीय प्राथमिक शाला गोवारी से शुरू हुई। इसके बाद उन्होंने हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी की पढ़ाई के लिए उत्कृष्ट विद्यालय बिरसा में प्रवेश लिया। परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे प्रतिदिन गांव से बिरसा आना-जाना कर अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। उनके पिता किसान हैं और माता गृहिणी हैं। ऐसे में शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई छात्रावास सुविधा उनके लिए शिक्षा जारी रखने का महत्वपूर्ण सहारा बनी। खिलेश्वर बताते हैं कि छात्रावास में रहकर उन्होंने हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी की पढ़ाई पूरी की। छात्रावास में रहने की सुविधा मिलने से उन्हें आवागमन की परेशानी से मुक्ति



विद्यार्थियों से बोले - योजनाओं का लाभ लेकर अपने सपनों को दें उड़ान...

खिलेश्वर मेरावी शासन की योजनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि ये योजनाएं केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि उनके साथ पढ़ने वाले अनेक विद्यार्थियों के लिए भी बेहद उपयोगी साबित हुई हैं। वे विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहते हैं, «शासन-प्रशासन की ओर से विद्यार्थियों के लिए जितनी भी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, उनका लाभ उठाइए। अच्छी तरह पढ़ाई कीजिए, मेहनत और तैयारी में कोई कमी मत रखिए। परिस्थितियां चाहे जैसी हों, लक्ष्य निर्धारित करके आगे बढ़ेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी।

मिली और वे अपना पूरा ध्यान पढ़ाई पर केंद्रित कर सके। वे कहते हैं कि शासन-प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई यह सुविधा उनके शैक्षणिक जीवन में बेहद उपयोगी साबित हुई।

छात्रवृत्ति और आवास सहायता से उच्च शिक्षा का रास्ता हुआ आसान

हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी के बाद खिलेश्वर ने उच्च शिक्षा के लिए शासकीय जटारंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में प्रवेश लिया। यहां उन्होंने स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। इस दौरान शासन की छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता योजना ने उनकी पढ़ाई को आर्थिक संवल दिया। खिलेश्वर बताते हैं कि उच्च शिक्षा के दौरान मिली छात्रवृत्ति और आवास सहायता के कारण उन्हें अपनी पढ़ाई के खर्च को लेकर परेशान नहीं होना पड़ा। इन योजनाओं ने उन्हें अपनी पढ़ाई

निरंतर जारी रखने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने का अवसर दिया। आज उनकी मेहनत और शासन की योजनाओं से मिली सहायता का परिणाम सामने है। माध्यमिक शिक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे खिलेश्वर मेरावी का चयन सहायक प्राध्यापक गणित के पद के लिए हुआ है। एक ग्रामीण एवं आदिवासी अंचल से निकलकर उच्च शिक्षा और फिर सहायक प्राध्यापक के पद तक पहुंचने का उनका सफर क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का उदाहरण है।

खिलेश्वर की कहानी यह बताती है कि सुविधाओं का सही उपयोग, मेहनत और दृढ़ संकल्प मिलकर शिक्षा के माध्यम से जीवन की दिशा बदल सकते हैं। शासन की छात्रावास, छात्रवृत्ति और आवास सहायता जैसी योजनाएं दूरस्थ आदिवासी अंचलों के विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर दे रही हैं और ऐसे विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान मिल रही है।

मुरा मैसों ने खोली अंकित की आमदनी की नई राह, मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना से मिला सहारा

रोजाना 20 लीटर दूध उत्पादन से बढ़ी आर्थिक आत्मनिर्भरता



2.95 लाख की इकाई, आधी राशि पर मिला अनुदान

अंकित ने बताया कि योजना के तहत दोनों भैंसों की इकाई लागत 2 लाख 95 हजार रुपये निर्धारित थी। इसमें उन्हें 50 प्रतिशत अर्थात 1 लाख 47 हजार 500 रुपये का अंशदान स्वयं करना पड़ा, जबकि इतनी ही राशि शासन से अनुदान के रूप में प्राप्त हुई। इस आर्थिक सहायता से उनके लिए बेहतर नस्ल के दुधारू पशु खरीदना संभव हो सका।

योजना बनी आत्मनिर्भरता की सीढ़ी

अंकित बिसेन की कहानी बताती है कि सरकारी योजनाएं केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण परिवारों के लिए आय के नए अवसर तैयार करने का माध्यम भी बन सकती हैं। योजना के माध्यम से मिली सहायता ने अंकित को बेहतर नस्ल के पशु खरीदने में मदद की और अब वे पशुपालन को व्यवस्थित व्यवसाय के रूप में आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं।

मिल रही है। पशुओं के चारे, देखभाल और अन्य खर्चों को निकालने के बाद अंकित को हर माह करीब 5 से 6 हजार रुपये की शुद्ध बचत हो रही है। यह राशि उनके परिवार की आर्थिक जरूरतों में सहायक बन रही है। अंकित कहते हैं कि डेयरी व्यवसाय में नियमित मेहनत और पशुओं की उचित देखभाल बेहद जरूरी है। वे पशुओं के स्वास्थ्य, खान-पान और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। उनका लक्ष्य आने वाले समय में

पशुओं की संख्या बढ़ाकर दूध उत्पादन और आमदनी में वृद्धि करना है। गांव के युवा के रूप में अंकित का यह प्रयास दूसरे ग्रामीण युवाओं के लिए भी प्रेरणादायी है। उन्होंने दिखाया है कि यदि उपलब्ध योजनाओं की जानकारी लेकर उनका सही उपयोग किया जाए और मेहनत के साथ पशुपालन किया जाए, तो खेती के साथ डेयरी व्यवसाय को अतिरिक्त आय के प्रभावी साधन के रूप में विकसित किया जा सकता है।

सेवा मेरा योगदान अभियान में दिखेगा सेवा का संकल्प

9 गतिविधियों से जुड़ेगा हर वर्ग, 2 अक्टूबर से होगी शुरुआत

जगप्रेरणा बालाघाट।

सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत जिले में 'सेवा मेरा योगदान' अभियान का आयोजन 2 से 10 अक्टूबर तक किया जाएगा। अभियान के तहत आमजन से जुड़ी विभिन्न सेवाओं और सामाजिक सरोकारों से संबंधित 9 गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके लिए जिला स्तर पर संबंधित विभागीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त कर गतिविधियों के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर को स्वच्छता ही सेवा अभियान से होगी। इस दौरान स्वच्छता कर्मियों का सम्मान, प्लास्टिक मुक्त परिसर एवं स्वच्छता संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों का आयोजन जिले के साथ विकासखंड, नगरीय निकायों के वार्ड और ग्राम पंचायत स्तर पर किया जाएगा। 3 अक्टूबर को स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। 4 अक्टूबर को वृद्धाश्रम में सेवा तथा अनाथालय में सेवा की गतिविधियां होंगी। इसके बाद 6 अक्टूबर को आंखों की जांच एवं संभव होने पर चश्मों का वितरण किया

जाएगा। 8 अक्टूबर को दिव्यांगजन सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। 9 अक्टूबर को वृहद वृक्षारोपण अभियान के साथ सैनिकों तथा उनके अभिभावकों के सम्मान का कार्यक्रम होगा। अभियान के अंतिम दिन 10 अक्टूबर को जरूरतमंद विद्यार्थियों को आवश्यक सामग्री का वितरण किया जाएगा। इन गतिविधियों के लिए स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, वन विभाग, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, नगरीय निकाय एवं पंचायत स्तर के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। प्रशासन द्वारा अभियान के तहत निर्धारित सभी गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

'सेवा मेरा योगदान' अभियान के माध्यम से स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, वृद्ध एवं अनाथजनों की सेवा, सैनिकों का सम्मान तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। अभियान से संबंधित गतिविधियों की जानकारी विभागीय स्तर पर तैयार कर संबंधित पोर्टल पर भी अपलोड की जाएगी।

माहू और कीट प्रकोप से धान फसल चौपट, सर्वे कराकर किसानों को मुआवजा देने की मांग

कलेक्टर के नाम एसडीएम को सौंपा जापन, जिला पंचायत सदस्यों सहित किसानों ने फसल बीमा में कीट-रोगों को शामिल करने की उठाई मांग



जगप्रेरणा परसवाड़ा। खरीफ सीजन में धान की फसल पर माहू सहित अन्य कीटों के प्रकोप से किसानों की चिंता बढ़ गई है। फसल को हो रहे नुकसान का किसानवार सर्वे करारक शासन से आरबीसी 6-4 के तहत मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर बुधवार को किसानों ने कलेक्टर के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व परसवाड़ा को जापन सौंपा। जापन में किसानों ने बताया कि माहू एवं अन्य कीटों के प्रकोप से खेतों में खड़ी धान की फसल खराब हो रही है। कई किसानों की फसल में व्यापक नुकसान की स्थिति है। ऐसे में राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम से प्रभावित खेतों का किसानवार सर्वे कराया जाए और नुकसान के आधार पर नियमानुसार राहत राशि उपलब्ध कराई जाए।

लागत बढ़ी, अब कीट प्रकोप ने बढ़ाई परेशानी

जापन के बाद जिला पंचायत सदस्य दलसिंह पन्ने ने मीडिया से चर्चा में कहा कि किसानों की खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। खाद और बीज के दाम बढ़े हैं, वहीं फसल में बीमारी और कीट लगाने के बाद कीटनाशकों

पर भी अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है। इसके बावजूद किसानों की फसल माहू और अन्य कीटों के कारण नष्ट होने की स्थिति में पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि प्रभावित किसानों के खेतों का तत्काल सर्वे कराया जाना चाहिए, ताकि वास्तविक नुकसान सामने आ सके और किसानों को राहत मिल सके। उन्होंने फसल बीमा व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि किसानों को फसल बीमा का लाभ तभी प्रभावी रूप से मिलेगा, जब फसल को प्रभावित करने वाले कीट एवं रोगों से होने वाले नुकसान को भी बीमा कवरेज में शामिल किया जाए। उन्होंने शासन से मांग की कि किसानों की स्थिति को देखते हुए बीमा कंपनियों एवं संबंधित विभाग के माध्यम से इस विषय पर आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि कीट एवं बीमारी से फसल खराब होने पर किसानों को राहत मिल सके। जापन में जिला पंचायत सदस्य तामेश्वर पटेल सहित सुरेंद्र घेराम, ढालेन्द्र राणा, सुल्तान अहमद सिद्दीकी, बोहरनलाल पटेल, ढालचंद चौधरी, गुलाब बोपचे, मनका यादव, गंगाप्रसाद यादव, राजकुमार गौतम, रमेश पटेल, रमेश बिसेन, हेमराज गौतम, शिवकुमार ठाकरे, टेमीचंद गौतम सहित बड़ी संख्या में किसानों के हस्ताक्षर हैं।

अंकुर टेस्ट टयुब बेबी एंड रिसर्च सेंटर

बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण

उपलब्ध सुविधाएँ:

- टेस्ट टयुब बेबी (IVF ET)
- इक्की टेस्ट टयुब बेबी (ICSI)
- (IUI) आर.यू.आर.
- अधिक उम्र में मातृत्व
- ओवूशन इन्जेक्शन द्वारा
- बंद फॉलोपियन टयुब खोलना
- पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
- शुक्राणु बैंक सुविधा
- सोनीग्राफी
- हागोस की जांच
- हागोस की गड़बड़ी की ईलाज
- बंद फॉलोपियन टयुब खोलना
- डुरबीन द्वारा ऑपरेशन

डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ

डॉ. सो.प्रणिता चिटणवीस
प्रसूति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ

एक्सीडेंट हॉस्पिटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

जग प्रेरणा

live गोंदिया भंडारा

● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

12

गुरुवार 01 अक्टूबर 2026

जग प्रेरणा

live गोंदिया भंडारा

● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स

गोरेगांव

1 **महावीर कॉम्प्लेक्स**

एन.एच.रोड, बस स्टैंड के पास

2. **अष्ट विनारक अपार्टमेंट**

2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..

संपर्क -नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

मुंबई में मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से मुलाकात कर विधायक विनोद अग्रवाल ने की संपूर्ण गोंदिया जिले को अकालग्रस्त घोषित करने की मांग..

जगप्रेरणा गोंदिया।
गोंदिया जिले में इस वर्ष कम और असमान वर्षा, बारिश में बार-बार आए अंतराल, बदलते मौसम तथा धान की फसल पर रोगों के प्रकोप के चलते किसानों के सामने खड़ी हुई संकटपूर्ण स्थिति को लेकर विधायक विनोद अग्रवाल ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से मुलाकात कर संपूर्ण गोंदिया जिले को अकालग्रस्त घोषित करने और प्रभावित किसानों को

नुकसान की भरपाई दिलाने की मांग की। विधायक अग्रवाल ने 29 सितंबर को मुख्यमंत्री को विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए जिले की वास्तविक जमीनी स्थिति का आकलन कराने की मांग रखी। इसी ज्ञापन की एक प्रति उन्होंने राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को भी सौंपी। ज्ञापन पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए मदद एवं पुनर्वसन विभाग के सचिव को ग्राउंड ट्रुथिंग तथा पीक काफणी प्रयोग कराने और अकालग्रस्त किसानों को नियमानुसार मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

बारिश एवं फसलों की स्थिति से कराया अवगत..

विधायक विनोद अग्रवाल ने मुख्यमंत्री के समक्ष कहा कि गोंदिया जिले में पिछले तीन वर्षों के औसत की तुलना में इस वर्ष वर्षा में करीब 40 से 50 प्रतिशत तक कमी दर्ज हुई है। इसके साथ ही बारिश का वितरण भी असमान रहा है और कई बार बारिश में लंबे अंतराल के कारण धान की फसल पर प्रतिकूल असर पड़ा है। बदलती मौसम परिस्थितियों के कारण धान की फसल में कीड़ी एवं विभिन्न रोगों का प्रकोप भी बढ़े पैमाने पर सामने आया है। इससे उत्पादन में गिरावट की आशंका के साथ किसानों द्वारा फसल पर किया गया खर्च भी प्रभावित होने की स्थिति बनी है।

राजस्व मंत्री को भी सौंपी गई ज्ञापन की प्रति

इसी विषय पर विधायक विनोद अग्रवाल ने राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को भी ज्ञापन की एक प्रति सौंपी। इसमें उन्होंने गोंदिया जिले में पिछले तीन वर्षों के औसत की तुलना में वर्षा में 40 से 50 प्रतिशत की कमी को देखते हुए गोंदिया तालुका सहित सभी तालुकों में अकाल जैसी स्थिति घोषित करने और किसानों को नुकसान की भरपाई देने की मांग रखी। साथ ही तालुकावार पीक नुकसान के पंचनामे कराने और संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश देने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने दिये यह निर्देश..

विधायक विनोद अग्रवाल की मांग पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने ज्ञापन पर तत्काल निर्देश देते हुए मदद एवं पुनर्वसन विभाग के सचिव को ग्राउंड ट्रुथिंग और पीक काफणी प्रयोग करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के इस निर्देश के बाद अब खेतों में प्रत्यक्ष स्थिति का आकलन और फसल उत्पादन की वास्तविक स्थिति सामने आने की प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। इसके आधार पर अकालग्रस्त किसानों को शासन की ओर से मदद उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाएगी। विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा कि गोंदिया जिले की कृषि व्यवस्था मुख्य रूप से धान की फसल पर निर्भर है और इस वर्ष मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए सरकार द्वारा किए जाने वाले ग्राउंड ट्रुथिंग और पीक काफणी प्रयोग में वास्तविक स्थिति सामने आना महत्वपूर्ण है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग के सचिव को निर्देश दिए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि अब जमीनी स्तर पर फसल नुकसान का निष्पक्ष आकलन कर प्रभावित किसानों को शासन की ओर से आवश्यक राहत उपलब्ध कराने की दिशा में कार्रवाई आगे बढ़ेगी।

जंगली जानवरों के आतंक से किसान परेशान, सरकार सुरक्षा और मुआवजा प्रदान करे - योपेन्द्र सिंह (संजय) टेंभरे

बलिराजा शेतकरी संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा गोंदिया।
29 सितम्बर को स्थानीय ग्रीन लैंड लॉन में क्षेत्र के नेता जिला परिषद सदस्य योपेन्द्र सिंह (संजय) युवराज टेंभरे जिलाध्यक्ष बलिराजा शेतकरी संघ ने सैकड़ों किसानों की उपस्थिति में गोंदिया तहसील के किसानों को जंगली जानवरों के आतंक से मुक्ति दिलाने एवं

सुरक्षा के साथ नुकसानग्रस्त किसानों को मुआवजा प्रदान किये जाने की मांग को लेकर उप विभागीय अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा, तथा इसके उपरांत प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से किसानों की समस्याओं के संदर्भ में ध्यानाकर्षण कराया। क्षेत्र के किसान नेता बलिराजा शेतकरी संघ (गोंदिया जिला) के जिलाध्यक्ष एवं जिला परिषद सदस्य योपेन्द्रसिंह (संजय) युवराज टेंभरे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गोंदिया तहसील के किसान इन दिनों जंगली जानवरों और जंगली सूअरों के बढ़ते उत्पाद से बेहद परेशान हैं। जानवरों द्वारा फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। धान, गन्ना, मक्का और अन्य फसलों को जंगली जानवर बढ़े पैमाने पर नष्ट कर रहे हैं। इस कारण किसानों की लागत बढ़ रही है और वे आर्थिक तंगी के शिकार होकर आत्महत्या जैसे आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं। किसान नेता टेंभरे ने कहा कि जंगली जानवरों और सूअरों द्वारा पूरी तरह नष्ट की गई फसलों के लिए किसानों को

25,000 प्रति एकड़ की दर से मुआवजा दिया जाए तथा यह राशि 15 दिनों के भीतर सीधे डीबीटी के माध्यम से खाते में भेजी जाए। जंगली सूअरों की बढ़ती संख्या को देखते हुए किसानों को इन्हें मारने की अनुमति (छूट) दी जाए। श्री टेंभरे ने कहा कि वन विभाग सीमा पर सरकार फैसिंग से सुरक्षा प्रबंध करे या फिर किसानों को अपने खेतों में सोलर/तार फैसिंग लगाने के लिए 100 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान करे। किसान नेता ने आगे यह भी कहा कि जंगली सूअर को वन्य प्राणी अधिनियम 1972 से बाहर किया जाए, साथ ही वन विभाग द्वारा नुकसान भरपाई की जटिल शर्तों को सरल किया जाए और त्रिस्तरीय निवारण समिति को तत्काल रद्द किया जाए। इसी प्रकार गांव स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया टीम और टोल-फ्री शिकायत नंबर उपलब्ध कराया जाए। किसानों को गश्त के लिए मशाल, टॉर्च, और सुरक्षा सामग्री दी जाए। पैमाने पर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। धान, गन्ना, मक्का और अन्य फसलों को जंगली जानवर बढ़े पैमाने पर नष्ट कर रहे हैं। इस कारण किसानों की लागत बढ़ रही है और वे आर्थिक तंगी के शिकार होकर आत्महत्या जैसे आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं। किसान नेता टेंभरे ने कहा कि जंगली जानवरों और सूअरों द्वारा पूरी तरह नष्ट की गई फसलों के लिए किसानों को

विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयासों से आपदा से प्रभावित घरों के नुकसान के लिए 3.43 करोड़ की निधि मंजूर..

जगप्रेरणा गोंदिया।
वर्ष 2023 व 24 में नैसर्गिक आपदा से प्रभावित हुए शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के घरों की नुकसान भरपाई के लिए सतत शासन स्तर पर आवाज उठा रहे विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। महाराष्ट्र सरकार ने अगस्त-सितंबर 2023 तथा अगस्त-सितंबर 2024 के दौरान नैसर्गिक आपदा से हुए घरों की पड़झड़ और गेटों के नुकसान के लिए गोंदिया जिले को रुपये 3 करोड़ 43 लाख 35 हजार की निधि मंजूर की है।

गौरतलब है कि गत वर्षों में विधायक विनोद अग्रवाल ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर नागरिकों को हुई आर्थिक क्षति का लाभ दिलाने का मुद्दा शासन के समक्ष प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने सरकार से मांग की थी कि प्राकृतिक आपदा के कारण जिन शहरी व ग्रामीण परिवारों का आर्थिक नुकसान हुआ है, उन्हें शासन के नियमानुसार तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए। अब शासन स्तर पर गोंदिया जिले के लिए करोड़ों

सितंबर 2026 जारी होने पर विधायक विनोद अग्रवाल ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, मदद व पुनर्वसन मंत्री मकरंद पाटील व प्रशासनिक व्यवस्था के अपर मुख्य सचिव का आभार माना।

गोंदिया जिले के लिए रुपये 3,43,35,000 की मंजूरी ऐसे समय में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जब अतिवृष्टि से प्रभावित शहरी व ग्रामीण अंचल परिवारों को नुकसानभरपाई की प्रतीक्षा थी। विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा लगातार नुकसान और आर्थिक सहायता का मुद्दा शासन के सामने उठाए जाने के बाद अब सरकार की ओर से इतनी बड़ी निधि मंजूर होना उनके राजनीतिक प्रयासों की महत्वपूर्ण कड़ी के तौर पर सामने आया है। विशेष है कि वर्तमान में विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा गोंदिया जिले की सभी तहसीलों को अकालग्रस्त घोषित करने की मांग शासन दरबार में उठायी गई। जिस पर महाराष्ट्र सरकार ने त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को मौके पर सर्वे के निर्देश भी दिए हैं।

गोंदिया शहर में दैनिक जगप्रेरणा की प्राप्ति हेतु संपर्क करें..

वैचारिक क्रांति का रचनात्मक उद्बोध

जग प्रेरणा

चौरसिया पान सेंटर

जय स्तंभ चौक बस स्टॉप, गोंदिया

मो. 08806083231

नया सोचो आयुर्वेद सोचो...

सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेद

मुल्लयाध (बवासीर), फिशर भण्ड व अन्य गुदरोग चिकित्सा व आयुर्वेद पंचकर्म केन्द्र

- कम्मर का दर्द
- घुटनों का दर्द
- पित्त का दर्द
- गर्दन व कंधों का दर्द
- आमवात, गठिया वात एवं सायटिका

- आधुनिक सुविधा युक्त पंचकर्म चिकित्सा कक्ष
- शास्त्रसुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त खनिजों तथा औषधियों का प्रयोग
- रोगी एवं व्याधी अनुकूल पंचकर्म सुविधा

डॉ. अर्पणा खोब्रागडे
B.A.M.S., M.D. (Nashik)
आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक
7620340356

साकेत पब्लिक स्कूल रोड, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

श्री अग्रसेन महाराज नागरी सहकारी पत संस्था मर्या. गोंदिया की 32 वीं वार्षिक सर्वसाधारण सभा संपन्न..

वयोवृद्ध तथा विद्यार्थियों का किया गया सत्कार..

जगप्रेरणा गोंदिया।
श्री अग्रसेन महाराज नागरी सहकारी पत संस्था मर्या. गोंदिया की 32 वीं वार्षिक सर्वसाधारण सभा रविवार 27 सितंबर 2026 सुबह 11 बजे शक्तिधाम राणीसती मंदिर, गणेश नगर, गोंदिया में आयोजित की गई। सर्वप्रथम गणेशजी, माँ लक्ष्मी एवं श्री अग्रसेन महाराज की पूजा अर्चना, दीप प्रज्वलन करके सभा की शुरुआत

ओमप्रकाश अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सभा में मानद सचिव निरज अग्रवाल व संचालकगण दिलीप कुमार अग्रवाल, अंकुर गजभिरे, संजय अग्रवाल, प्रेमलता अग्रवाल, एकता रेड्डीवार को मंच पर आमंत्रित किया गया। सभा की शुरुआत में पुर्व अध्यक्ष स्व. श्री रामअवतार अग्रवाल को आदरांजलि दी गई। संस्था के उपाध्यक्ष राकेश वर्मा ने विषयानुसार अहवाल का वाचन किया। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी 12 प्रतिशत लाभांश एवं उपहार देने की घोषणा की।

2026-27 के लिए लेखापरीक्षक के नाम की घोषणा की जिसे समस्त सभासदों ने अपनी स्वीकृति प्रदान की। सभा में 75 वर्ष व उससे अधिक उम्र वाले अंशधारकों का सत्कार किया गया। इसमें श्रीमती शोभा शामका, राजेंद्र कपूर, रमन कोठारी, प्रकाश कोठारी, दामोदर अग्रवाल, कैलाशचंद्र शर्मा, श्रीमती परमजीतकौर बग्गा, रमेश कुमार अग्रवाल, रामानंद अग्रवाल का शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह पुष्पगुच्छ देकर सभी का सत्कार किया गया। अंशधारकों के जिन पाल्यों ने

कक्षा 10 वीं 12 वीं व स्नातक में उच्चको प्राप्त किये है, उन्हें सम्मानित किया गया जिसमें चि. लक्ष अग्रवाल, चि. धैर्य अग्रवाल, कु. ऐश्वर्या पेटकर, कु. तुषि तिवारी, चि. सौराश अग्रवाल, चि. राघव अग्रवाल, कु. प्रियांशी अग्रवाल, कु. अरुमी अग्रवाल, कु. कुति अग्रवाल, कु. आभा चौधरी, चि. फिरदौस सोलंकी, चि. लक्ष अग्रवाल, चि. कुश अग्रवाल, चि. अविश अग्रवाल, चि. अंशुल निखाडे, चि. सोहम गुर्व, चि. आदित्य शामका,